खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 13 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-192

ग्रेनाइट मालिकों और श्रमिकों ने नए कर शासनादेशों के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

ग्रेनाइट खदान मालिकों और श्रमिकों ने करीमनगर शहर में विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य सरकार जीओ 14 और जीओ 16 को समाप्त करे जो उनके अनुसार उद्योग के लिए खतरा बन गए है और जीओ 4 को दो और वर्षों के लिए जारी रखा जाए करीमनगर जिला ग्रेनाइट खदान मालिक संघ के तत्वावधान में ग्रेनाइट मालिकों और श्रमिकों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर धरना देने से पहले शहर में रैली निकालीइस अवसर पर बोलते हुए एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आई. विजय भास्कर ने कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी आदेश संख्या 14 और सरकारी आदेश संख्या 16 के माध्यम से कर में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है 8 जुलाई को

जारी सरकारी आदेश के अनुसार अब उन्हें 1,435 रुपये प्रति घन मीटर की अतिरिक्त राशि चुकानी होगी उन्होंने मांग की कि उद्योग के लाभ के लिए तीन साल पहले जारी सरकारी आदेश संख्या 4 को अगले दो साल तक जारी रखा जाना चाहिए उन्होंने बताया कि तीन साल पहले रॉयल्टी बढ़ाई गई थी और कोविड महामारी के बाद ग्रेनाइट उद्योग में जो संकट शुरू हुआ वह युद्धों सहित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के कारण जारी रहा अब उन्हें रॉयल्टी के अलावा परिवहन और अन्य लागतों पर 65 प्रतिशत खर्च करना पड़ रहा है मुनाफ़े की तो बात ही छोड़िए करों में असामान्य वृद्धि और रियायतों में कमी के बाद ग्रेनाइट इकाइयाँ संकट से जूझ रही है घाटे की भरपाई न कर पाने के कारण सैकड़ों इकाइयाँ पहले ही बंद हो चुकी हैं तेलंगाना सरकार जहाँ कर बढ़ा रही थी वहीं आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और ओडिशा जैसे अन्य राज्यों ने कर कम कर दिए थे और केवल 10 प्रतिशत ही वसूल रहे थे परिणामस्वरूप, खरीदार और श्रमिक उन राज्यों का रुख कर रहे थे वर्तमान में जिले की 950 ग्रेनाइट इकाइयों में से केवल 60 से 70 इकाइयाँ ही चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि यदि नवीनतम सरकारी आदेश वापस नहीं लिया गया तो शेष इकाइयाँ भी बंद हो जाएँगी राज्य सरकार से ग्रेनाइट उद्योग की रक्षा का अनुरोध करते हुए उन्होंने रॉयल्टी को तत्काल समाप्त करने का आग्रह किया उन्होंने ज़ब्ती शुल्क को 40 प्रतिशत और जिला खनिज फाउंडेशन निधि को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करने की भी माँग की उन्होंने कहा कि अगर इस क्षेत्र की उपेक्षा की गई तो उद्योग पर निर्भर लगभग 30,000 परिवार रोज़गार खो देंगे।

जनसंगठन नेताओं ने छात्राओं की समस्याओं की ली जानकारी

आसिफाबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तिरयानी मंडल स्थित गिन्नेद-ारी आश्रम बालिका विद्यालय का टैग्स. डीवाईएफआई. सीटू. के जिला नेताओं ने दौरा किया और छात्राओं की समस्याओं से अवगत हुए। इस अवसर पर टैग्स की जिला अध्यक्ष कोरेंगा माला श्री ने कहा कि छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त कर नौकरी करनी चाहिए। छात्राओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष और सचिव ने कहा कि जिले को दसवीं कक्षा में अच्छे अंकों और रैंक के साथ राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहिए, जिसकी तुलना निजी स्कूलों के छात्रों से नहीं की जा सकती। टैग्स के जिला उपाध्यक्ष कोटा श्रीनिवास ने कहा कि छात्राओं को अंधविश्वास से दूर रहना चाहिए और सभी छात्राओं को स्वच्छता का पालन करना चाहिए। छात्राओं को 49 जीओ के बारे में बताया गया और आदिवासी छात्राओं की समस्याओं के बारे में पूछा गया। आश्रम विद्यालय की समस्याओं से अवगत कराया गया। सीटू के जिला अध्यक्ष जे. राजेंद्र ने कहा कि जिले के आदिवासी आश्रम विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की कई समस्याएँ हैं और सरकारें उन्हें हल करने में पूरी तरह विफल रही हैं।

पिछले साल कुमुराम भीम जिले में स्वास्थ्य कारणों से पाँच छात्रों की मृत्यु हो गई थी और अब तक उन्हें सरकार की ओर से कोई मदद या लाभ नहीं मिला है। ढ-ऋ्ड जिला अध्यक्ष माला श्री, उपाध्यक्ष कोटा श्रीनिवास, ॐध्ऋख जिला अध्यक्ष और सचिव गेदाम टिकानंद, गोडिसेला कार्तिक, सीटू जिला अध्यक्ष जे. राजेंद्र और डिप्टी वार्डन विजयशांति, छात्र इस कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगे।

इंदिरम्मा आवास निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों के लिए बनाए जा रहे इंदिराम्मा आवासों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। शुक्रवार को, उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला के साथ जिले के कागजनगर मंडल की एनजीओ कॉलोनी ग्राम पंचायत में बन रहे इंदिराम्मा आवासों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि गरीबों को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा शुरू की गई इंदिराम्मा आवास योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के आवासों के निर्माण कार्य की निगरानी अधिकारियों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के चरणों को अभिलेखों में दर्ज किया जाना चाहिए और तदनुसार संबंधित लाभार्थियों को बिल स्वीकृत करने की कार्यवाही की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को जागरूक किया जाना चाहिए ताकि वे नियमानुसार एक निश्चित क्षेत्र में आवास बना सकें। इसके बाद, उन्होंने मंडल केंद्र स्थित राजकीय उच्च विद्यालय का दौरा किया और आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री श्री निधि से निर्मित किए जा रहे अतिरिक्त कक्षा-कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन, कक्षा-कक्षों एवं आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया। उन्होंने अतिरिक्त कक्षा-कक्षों के निर्माण कार्य में तेजी लाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मेनू के अनुसार समय पर गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि भोजन बनाते समय ताज़ी सब्ज़ियों एवं गुण-वत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समझने योग्य तरीके से शिक्षा दी जाए तथा कक्षा में पिछड़े विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

गुरुकुल विद्यालयों की समस्याओं का समाधान किया जाए : वैद्य शांतिकुमारी

आसिफाबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

टीएसयूटीएफ के तत्वावधान में कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले के कागज नगर मंडल में सदस्यता पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बोलते हुए, टीएसयूटीएफ जिला अध्यक्ष वैद्य शांतिकुमारी ने मांग की कि सरकार गुरुकुल विद्यालयों में कार्यरत नियमित शिक्षकों के लिए समता वेतनमान लागू करे, गुरुकुल शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों से मुक्त रखे, स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करे, गुरुकुलों में विशेष वार्डन की नियुक्ति करे, गुरुकुलों में कार्यरत अतिथि, अंशकालिक

और आउटसोर्सिंग शिक्षकों को 12 महीने का न्यूनतम वेतन दे, महिलाओं को रात्रिकालीन अध्ययन से मुक्त रखे, सरकारी छुट्टियों में काम करने वाले शिक्षकों को अगले दिन साप्ताहिक अवकाश दे, रात में रुकने वाले शिक्षकों को अगली सुबह कार्यमुक्त करने के आदेश जारी करे और किसी अन्य को स्वास्थ्य पर्यवेक्षक नियुक्त करे। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत पीआरसी की घोषणा और कार्यान्वयन करे, लंबित डीए प्रदान करे, पदोन्नति और स्थानांतरण करे, सभी लंबित बिलों का तुरंत भुगतान करे, 317 कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे, शिक्षकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य योजना लाए, आश्रम विद्यालयों के केजीबीवी कर्मचारियों और सीआरटी को समान कार्य के लिए समान वेतन दे, स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करे, विशेष वार्डन और केयरटेकर नियुक्त करे, नौकरी की सुरक्षा प्रदान करे, शिक्षकों के रिक्त पदों को भरे, नियमों के अनुसार शिक्षकों का समायोजन करे और उसका प्रबंधन करे।इस कार्यक्रम में जिला सचिव वाई. राजकमलाकर रेड्डी, नेता महेश और शिक्षकों ने भाग लिया।

नकली बीजों की आपूर्ति के मुख्य आरोपी, आंध्र प्रदेश के गोरंटला सुरेश बाबू के विरुद्ध पीडी एक्ट लागू

आसिफाबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने एक बयान में कहा कि आरोपी को पीडी एक्ट के तहत हिरासत में रखने के आदेश जारी किए गए और उसे कौटाला सर्कल इंस्पेक्टर मुत्यम रमेश की निगरानी में शनिवार को चेरलापल्ली जेल भेज दिया गया।नकली बीजों की आपूर्ति के मामले में आरोपी के विरुद्ध चिनथला मनेपल्ली पुलिस स्टेशन में 04/04/2025 को एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उसे 03 जुलाई, 2025 को रवींद्र नगर 1, गाँव के बाहरी इलाके से गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया।आंध्र प्रदेश के गोरंटला, कोमाराम

भीम, आसिफाबाद जिले में नकली कपास के बीजों की आपूर्ति के मुख्य आरोपी, जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने आज एक बयान में कहा कि सुरेश बाबू के विरुद्ध पीडी एक्ट लागू किया गया है।एसपी ने बताया कि गोरंटला सुरेश बाबू (पिता का नाम पूर्णचंद्र राव, उम्र 46 वर्ष, जाति कम्मा, व्यवसाय: कृषि) नामक व्यक्ति, भीमावरम, इंकोल्लू मंडल, प्रकाशम जिला, आंध्र प्रदेश राज्य, नकली बीज आपूर्ति के कई मामलों में एक प्रमुख आरोपी है। उसके खिलाफ 2018 से 2025 तक आसिफाबाद जिले के चिंतलामनेपल्ली मंडल, बेज्जुर मंडल, सिरपुर-टी मंडल और आसिफाबाद मंडल में कई मामले दर्ज किए गए थे, लेकिन वह फिर से नकली बीज आपूर्ति करके और निर्दोष लोगों को ठगकर गंभीर अपराध कर रहा है। ऐसे आदतन आरोपी के अपराधों पर स्थायी रूप से अंकुश लगाने के इरादे से, पीडी अधिनियम लागू किया गया और आर-ोपी को कौटाला के इंस्पेक्टर मुत्यम रमेश की देखरेख में चंचलगुडा सेंट्रल जेल, हैदराबाद में स्थानांतरित कर दिया गया।इस अवसर पर जिला एसपी ने चेतावनी दी कि जिले में लोगों को धोखा देने और अवैध गतिविधियों में लिप्त होने पर किसी को भी नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस जिले में उपद्रवी तत्वों तथा पुराने मामलों को अंजाम देने वालों पर लगातार नजर रखेगी तथा जो लोग पहले भी कई मामलों में आरोपी रह चुके हैं तथा बार-बार अपराध करते हैं, उनके खिलाफ पुलिस दंड संहिता अधिनियम लागू किया जाएगा।

मशीनीकृत खेती में कोई कमी नहीं है गायब हो रहे कैडिस !

मंचेरियाल,12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदलते समय के साथ फसल की खेती में मशीनरी का उपयोग बढ़ा है हालांकि किसानों को एक स्तर पर कैड की जरूरत पड़ने लगी है जैसे-जैसे कैड गायब हो रहे है बैल रखने वाले किसानों के लिए बेलों की मांग बढ़. गई है कपास के बीज बोने कें लिए कैड का उपयोग फरो बनाने खरपतवार नियंत्रण के लिए हैरो और कुंड को जोतने के लिए करना पड़ता है जिले में कपास की बुवाई 85 प्रतिशत पूरी हो चुकी है जहां पहली कपास की फसल में खरपतवार को रोकने के लिए हैरो किया जा रहा है वहीं अन्य कैड का उपयोग करके बीज बो रहे हैं दूसरी ओर वे फरो तैयार कर रहे हैं और पौधों की निराई कर रहे हैं इन कार्यो के लिए अरारा प्रतिदिन 2,000 से 2,200 रुपये कमाते हैंश्र ट्रैक्टरों का उपयोग करके जंजीरों में कपास की जुताई करना संभव नहीं है पौधे टूट कर टायर के नीचे गिर जाते है बारिश के मौसम में जंजीरें कीचड़ हो जाती किसान ज्यादातर इस समय उनका उपयोग करते हैं क्योंकि कैड से कपास की जुताई करना आसान होता है।

यदागिरिगुट्टा देवस्थानम में निविदा प्रक्रिया में अनियमितताएँ!

यदागिरिगुट्टा, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की निविदा प्रक्रिया में अनियमितताएँ साक्ष्यों के साथ सामने आई हैं। आज, बुधवार, 09-07-2025 को, मंदिर ने पहाड़ी के नीचे श्री सत्यनारायण स्वामी के व्रत में भक्तों द्वारा किए जाने वाले व्रत के दौरान प्रत्येक भक्त को भगवान की एक 12 ग्राम की तांबे की मूर्ति (तांबे की मूर्ति) देने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, कुछ वस्तुओं के प्रा-वधान के लिए एक विज्ञापन जारी किया जाना था, लेकिन निविदा प्रक्रिया अलग तरीके से जारी रही।

श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में पूर्व में आयोजित निविदाओं के लिए सार्वजनिक सूचनाएँ जारी करने और दो दिन पहले माइक्रोफोन पर घो-षणाएँ करने की प्रथा है। लेकिन आज ✻09-07-2025 बुधवार✻ को हुए टेंडर

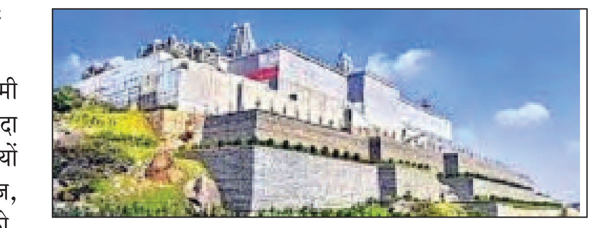

अलग तरीके से हो रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर काफी हलचल मची हुई है। मंदिर में होने वाले टेंडरों का सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिया जाता है और मंदिर के अधिकारी प्रचार के लिए फ़ोन पर स्टेटस डालकर लोगों को टेंडर में हिस्सा लेने का मौका देते हैं। लेकिन कुछ टेंडरों को गुपचुप तरीके से कराने से मंदिर के अधिकारियों की पोल खुल गई है, जिससे मंदिर को आर्थिक नुकसान हो रहा है और अधिकारियों ने अपने फायदे के लिए गुपचुप तरीके से टेंडर निकाले हैं। हर बुधवार को मंदिर के कुछ कर्मचारियों की छुट्टी होती है। इसे अपना फायदा समझते हुए, कुछ मंदिर अधिकारियों ने आज बिना किसी सार्वजनिक सूचना, माइक्रोफ़ोन पर घोषणा और टेंडर प्रक्रिया में कोई समय और तारीख दर्ज किए बिना ही टेंडर प्रक्रिया जारी रखी। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि आज हुई टेंडर प्रक्रिया में टेंडर देने वाले द्वारा मंदिर कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके अनियमितताएँ करने के खुलासे से मंदिर अधिकारियों की मिलीभगत साफ़ दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोग मंदिर के ईओ से इस संबंध में कार्रवाई करने और टेंडर रद्द करने तथा टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

सिंगरेनी के सीएमडी ने सौर परियोजना में देरी पर ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी दी

ONE FAMILY. ONE VISION. ONE MISSION
THE SINGARENI COLLIERIES COMPANY LIMITED
SCCL

मंचेरियाल, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सौर ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में देरी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने चेतावनी दी कि यदि परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी नहीं हुईं तो अनुबंध रद्द कर दिए जाएंगे और चूक करने वाली एजेंसियों को काली सूची में डाल दिया जाएगा

हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में बलराम ने सभी हितधारकों को लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया तथा स्पष्ट किया कि अक्टूबर के बाद कोई और विस्तार नहीं दिया जाएगा सीएमडी ने चरण 1 के तहत 54.5 मेगावाट और चरण 2 के तहत 67.5 मेगावाट क्षमता वाले सौर संयंत्रों की प्रगति की समीक्षा की उन्होंने निर्माण एजेंसियों के प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि सिंगरेनी द्वारा समय पर बिल भुगतान सुनिश्चित करने के बावजूद वे समय पर काम पूरा करने में विफल रहे है

बलराम ने कहा एजेंसियों को इसे अंतिम अवसर मानना चाहिए अगर अक्टूबर तक काम पूरा नहीं हुआ तो उनके अनुबंध रद्द कर दिए जाएँगे और उन्हें काली सूची में डाल दिया जाएगा उन्होंने सिंगरेनी सोलर के अधिकारियों को प्रगति पर कड़ी नज़र रखने और ज़्यादा जवाबदेही के साथ काम करने का निर्देश भी दिया उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की चूक उनके सेवा रिकॉर्ड में दर्ज की जाएगी उन्होंने आगे निर्देश दिया कि मंडमरी में 28 मेगावाट सौर संयंत्र के साथ स्थापित की जा रही बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) को अगस्त तक हर हाल में पूरा किया जाना चाहिए इसके अतिरिक्त बलराम ने केंद्र की सूर्य घर योजना के तहत विभिन्न सिंगरेनी भवनों में 32.75 मेगावाट के रूफटॉप सौर संयंत्रों का निर्माण दिसंबर तक पूरा करने का आदेश दिया ।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 13 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-192

रूस के राष्ट्रपति पुतिन कर रहे भारत आने की तैयारी

पुतिन के भव्य स्वागत के लिए भारत हो रहा तैयार

वैश्विक संशय के दौर में भी भारत-रूस की दोस्ती पक्की

अयांश गौरव सिंह
मास्को, 12 जुलाई।

जैसे-जैसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस वर्ष के अंत में 23वें द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए अपनी भारत यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, दोनों देश अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए नए प्रस्तावों को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह उच्च-स्तरीय जुड़ाव ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक स्तर पर व्यापक परिवर्तन हो रहे हों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक बदलावों और बदलते रणनीतिक समीकरणों का पारंपरिक गठबंधनों पर प्रभाव पड़ रहा हो। इस पृष्ठभूमि में, भारत-रूस संबंध स्थायी विश्वास और व्यावहारिक सहयोग के एक आदर्श के रूप में उभर रहे हैं।

इस विकसित होती साझेदारी के केंद्र में एक आधारभूत स्तंभ निहित है, वह है आपसी विश्वास। यह विश्वास न केवल बदलती विश्व व्यवस्था की उथल-पुथल के बावजूद कायम रहा है, बल्कि हाल के वर्षों में और भी मजबूत हुआ है, क्योंकि दोनों देशों ने रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीयता पर आधारित विदेश नीतियों का अनुसरण किया है। नई दिल्ली और मॉस्को के लिए, यह साझेदारी अब केवल द्विपक्षीय एजेंडों तक सीमित नहीं है। यह व्यापक अंतरराष्ट्रीय ढांचों के भीतर एक स्थिरकारी शक्ति के रूप में कार्य करती है। भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गतिशीलता और भविष्य की संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने और व्यक्त करने के लिए, दोनों देशों के विद्वानों और पेशेवरों के एक समूह ने भारत और रूस: एक परिवर्तनकारी युग में स्थायी विश्वास (इंडिया एंड रशिया : इंड्योरिंग ट्रस्ट इन ए ट्रांसफॉरमेशनल एरा) नामक एक नव प्रकाशित ग्रंथ में योगदान दिया है। यह ग्रंथ भारत-रूस संबंधों के संपूर्ण आयामों (स्पेक्ट्रम) को लेकर रक्षा और ऊर्जा जैसे विरासत क्षेत्रों एवं उच्च प्रौद्योगिकी और जलवायु सहयोग जैसे उभरते क्षेत्रों तक तमाम विषद एवं विस्तारित दृष्टिकोणों का एक समृद्ध संकलन प्रस्तुत करता है।

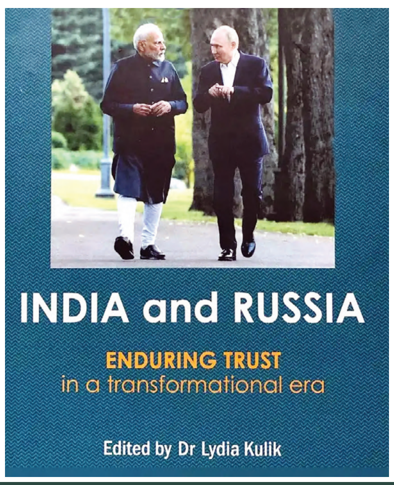

भारत-रूस संबंधों पर तैयार संदर्भ ग्रंथ पर दुनियाभर में चर्चा

इस पुस्तक का संपादन डॉ. लिडिया कुलिक ने किया है, जो भारत मामलों की एक प्रमुख रूसी विशेषज्ञ और मॉस्को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, स्कोल्कोवो में भारत अध्ययन विभाग की प्रमुख हैं। वह रूसी विज्ञान अकादमी के प्राच्य अध्ययन संस्थान में वरिष्ठ शोध अध्येता भी हैं। एक साक्षात्कार में, डॉ. लीडिया कुलिक ने इस बात पर जोर दिया कि यह पुस्तक द्विपक्षीय संबंधों पर, विशेष रूप से हाल के वर्षों में सामने आए गहन वैश्विक परिवर्तनों के आलोक में, एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि यह संस्करण रूस और भारत के विचारों का एक संग्रह है जो उन संबंधों पर एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है जो हमारी दोनों सभ्यता के लोगों के साथ-साथ गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहे विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह ग्रंथ सोवियत काल से लेकर 2024 के ऐतिहासिक वर्ष तक, भारत-रूस संबंधों की ऐतिहासिक यात्रा को समाहित करती है। परस्पर संबंधों की इस यात्रा ने रिश्तों में अभूतपूर्व उत्थान एवं प्रगाढ़ता देखी है।

ऐसे महत्वपूर्ण ग्रंथ के निर्माण के योगदानकर्ताओं में रणनीतिक थिंक टैंक नैटस्ट्रैट के संयोजक और रूस में भारत के पूर्व राजदूत पंकज सरन भी शामिल रहे हैं। सरन द्विपक्षीय संबंधों की खूबियों, कमजोरियों और भविष्य के दृष्टिकोण का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करते हैं। पश्चिम के साथ रूस के टकराव और चीन के साथ उसके बढ़ते गठजोड़ जैसी चुनौतियों के बावजूद, उनका निष्कर्ष है कि भारत-रूस संबंध अपने गहन संस्थागत स्वरूप और परस्पर जुड़े रणनीतिक हितों के कारण मजबूत बने रहेंगे। ग्रंथ में बार-बार और कई अध्यायों में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का उल्लेख आता है। यह ऐसा दृष्टिकोण है, जिसे मास्को बहुत महत्व देता है। ▶10पर

एयर इंडिया विमान हादसे की प्राथमिक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक

संदेह से भरा हादसा, संदेह से भरी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

वही हुआ, जिसका अंदेशा था। गुजरात के अहमदाबाद में मंगलवार 12 जून 2025 को हुए एयर इंडिया विमान हादसे का पूरा ठीकरा हादसे में दिवंगत हुए पायलटों के सिर पर फोड़ देने की पूरी तैयारी है। अभी तो प्रारंभिक जांच रिपोर्ट ही सार्वजनिक हुई है। आखिरकार यही होगा कि बोइंग विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी और विमान खरीदने और उड़ाने वाली भारतीय कंपनी बेदाग साबित कर दी जाएगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्-वेस्टिगेशन ब्यूरो ने हादसे की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में हादसे की वजह इंजन को ईंधन की सप्लाई न मिलना बताया है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के डेटा से पता चला है कि टेकऑफ होने के बाद जैसे ही प्लेन ने 180 नॉट की रफ्तार पकड़ी, दोनों इंजन को ईंधन देने वाले स्विच अचानक रनिंग मोड से कटऑफ मोड में चले गए। एक सेकंड के अंतराल पर दोनों स्विच कटऑफ हो गए। इससे इंजनों को

दिवंगत पायलटों के सिर ठीकरा फोड़ने की कोशिश

पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया विरोध

ईंधन की सप्लाई बंद हो गई। संदेहास्पद तथ्य यह भी है कि जांच रिपोर्ट में दिखाई गई तस्वीर में विमान के थ्रस्ट लीवर निष्क्रिय यानि पीछे की ओर पाए गए। जबकि विमान के डाटा के मुताबिक टक्कर लगने तक दोनों थ्रस्ट लीवर आगे की ओर थे। मौके पर मिले थ्रस्ट लीवर की स्थिति और डाटा में थ्रस्ट लीवर की हालत अलग-अलग है। थ्रस्ट लीवर का काम विमान की गति को नियंत्रित करना और इंजन को ताकत देना है।

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, जांच रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई। पहले तो जांच अत्यंत गोपनीयता से की गई, फिर उसे अत्यंत फूहड़ तरीके से सार्वजनिक कर दिया गया।

इससे ही साबित होता है कि जांच रिपोर्ट किस इरादे से लीक की गई। जांच में जब योग्य, अनुभवी विमान विशेषज्ञों और पायलटों को शामिल ही नहीं किया जा रहा है तो जांच किस तरह की गई या की जा रही है?

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने जांच रिपोर्ट कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का साफ-साफ संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं। ▶10पर

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवकों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारा मंत्र है बिना पर्ची, बिना खर्ची होगी भर्ती।

युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को अहम करने के लिए आज देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्हें संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ सबका साथ, सबका विकास के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया यह मंत्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल सरकार को भ्रष्ट बताया

भाजपा चाहती है, विकसित केरलम् : शाह

भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन पूर्व अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि

तिरुवनंतपुरम, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। उन्होंने केरल सरकार और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा और कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केरल को भ्रष्टाचारमुक्त विकसित केरलम् के रूप में देखना चाहती है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में केरल में स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले यहां भाजपा की नई राज्य समिति कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया। ▶10पर

बिहार में 17 राजनीतिक पार्टियों के रजिस्ट्रेशन पर संकट

चुनाव नहीं लड़ते तो पार्टी क्यों न हो सूची से बाहर!

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय चुनाव आयोग बेहद सक्रिय है। राज्य निर्वाचन आयोग ने ऐसे 17 राजनीतिक दलों को नोटिस भेजी है, जिन्होंने 2019 के बाद से किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लिया। यह नोटिस मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय से जारी हुई है। संबंधित दलों से जवाब देने को कहा गया है। निर्वाचन विभाग के उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने संबंधित दलों ▶10पर

नालसार लॉ कॉलेज के दीक्षांत समारोह में बोले चीफ जस्टिस

न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत : गवई

हैदराबाद, 12 जुलाई (ब्यूरो)।

न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर जताई चिंता

भारत के देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है। हैदराबाद के नालसार विधि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों से कहा कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें, न कि परिवार पर वित्तीय दबाव डालें। छात्र गुरुओं को उनकी शक्ति के लिए नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी के लिए चुनें।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे। हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है।

सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे गुरुओं को उनकी शक्ति के लिए नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी के लिए चुनें। ▶10पर

गलवान भिड़ंत के बाद पहली बार चीन जाएंगे जयशंकर

रिश्तों में जमी बर्फ पिघलाने की दोतरफा कोशिश

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर गलवान में भारत चीन सैन्य झड़प के बाद पहली बार चीन की यात्रा करने वाले हैं। यह पिछले पांच साल में उनकी पहली चीन यात्रा है, जिसे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्तों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एस जयशंकर चीन में 14-15 जुलाई को एससीओ समिट में हिस्सा लेंगे और सदस्य देशों के साथ कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 24°

नासा के एक्सिओम मिशन का समय हो रहा पूरा

15 जुलाई को धरती पर लौट आएंगे शुभांशु

साथ आएंगे तीनों सहयोगी अंतरिक्ष यात्री

अंतरिक्ष में किए गए कई शानदार प्रयोग

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के गगनयात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को अंतरिक्ष से धरती पर लौट सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी है। बताया गया कि शुभांशु शुक्ला समेत सभी अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ हैं। शुक्ला इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आएसएस) पर हैं और 14 दिन के अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं। यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है। शुभांशु पहले भारतीय हैं जो आईएसएस पर गए हैं।

शुभांशु शुक्ला अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से चल रहे एक्सिओम मिशन का हिस्सा हैं। वे 14 जुलाई को अपने तीन सहयोगियों पेगी व्हिटसन, स्लावोस वुजनस्की और टिबोर कापू के साथ ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर वापसी करेंगे। यह यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे

अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में लैंड करेगा। इसरो ने बताया कि शुभांशु के लौटने के बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों को सात दिन के पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) कार्यक्रम से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया उन्हें पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुसार ढालने के लिए की जाएगी। इस दौरान इसरो के फ्लाइट सर्जन उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की नियमित निगरानी करेंगे। स्प्लैशडाउन 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे होगा।

अपने मिशन के दौरान शुभांशु ने माइक्रोग्रैविटी में सात वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया। इनमें से चार पूरी तरह सफल रहे और तीन अंतिम चरण में हैं। पूरे मिशन के लिए इसरो, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नासा ने मिलकर इन प्रयोगों को डिजाइन किया था। ये प्रयोग भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों, गगनयान और संभावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आधार तैयार करेंगे। अपने 18 दिन के अंतरिक्ष प्रवास के दौरान शुभांशु ने माइक्रोएल्गी, ब्रेन एक्टिविटी, आंखों की गति और मनोवैज्ञानिक प्रयोगों पर काम किया। माइक्रोएल्गी भविष्य के मिशनों में भोजन, ऑक्सीजन और जैव-ईंधन के रूप में उपयोगी हो सकते हैं। ▶10पर

बॉलीवुड की लेडी बॉस थीं बीना राय 1.5 लाख रुपए लेती थीं फीस!

हिंदी सिनेमा के स्वर्ण युग की दमदार नायिकाओं में से एक थीं खूबसूरती की मल्लिका बीना राय, जो उस दौर में एक फिल्म के लिए डेढ़ लाख रुपए लेती थीं। 13 जुलाई 1931 को लाहौर में जन्मीं यह सजीव सौंदर्य की मूर्ति पर्दे पर जितनी सौम्य दिखती थीं, उतनी ही उनके अभिनय में गहराई थी। उन्होंने 1950 के दशक में अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया-विशेष रूप से 'अनारकली' (1953) में। इसके गाने और इनकी अदायगी लोगों के जेहन में आज भी जिंदा है। इससे जुड़ा एक बेहतरीन किस्सा भी है।

उनके छोटे बेटे कैलाश नाथ ने कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि मुगल-ए-आजम भी उनको ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे करने से साफ मना कर दिया था। कहा, एक छाप लग चुकी है और मैं उसे दोहराऊंगी नहीं। बाद में ये रोल उनकी झोली में गया जिनसे कभी उनके पति प्रेमनाथ शादी करना चाहते थे और वो थीं मधुबाला।

वो दौर ऐसा था जब एक फिल्म के लिए हीरो को पचास हजार से एक लाख रुपये मिलते थे, लेकिन बीना राय जैसी एक्ट्रेस को 1.5 लाख रुपये दिए जाते थे। उस दौर में यह सिर्फ एक फीस नहीं थी, बल्कि इंडस्ट्री में बदलाव की कीमत थी। अपनी मेहनत के दम पर बीना राय ने अपना स्टारडम बनाया। उनके नाम पर फिल्में बनती और बिकती थीं।

बीना राय का असली नाम कृष्णा सरीन था। उनके पिता रेलवे में अधिकारी थे। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद उनका परिवार कानपुर आ गया और उन्होंने यहां से अपनी पढ़ाई जारी रखी। इसके बाद उन्होंने लखनऊ के इसाबेला थोबर्न कॉलेज में एडमिशन लिया। यहीं से उनके अंदर अभिनय के प्रति दिलचस्पी बढ़ने लगी। वह कॉलेज के नाटकों में हिस्सा लेने लगीं और धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगा।

एक दिन उन्होंने अखबार में एक विज्ञापन देखा, जिसमें लिखा था कि निर्देशक किशोर साहू अपनी फिल्म के लिए नई अभिनेत्री खोज रहे हैं और इसके लिए एक टैलेंट कॉन्टेस्ट रखा गया है। बीना राय ने इस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने का फैसला लिया, लेकिन घरवाले इसके खिलाफ थे। उस दौर में फिल्म इंडस्ट्री को लड़कियों के लिए अच्छा नहीं माना जाता था, लेकिन बीना राय ने हिम्मत नहीं हारी और भूख हड़ताल पर चली गई। उनकी जिद के आगे परिवारवालों को झुकना पड़ा और वह मुंबई चली गई।

बीना राय ने टैलेंट कॉन्टेस्ट में जीत हासिल की और इनाम के तौर पर उन्हें 25,000 रुपये मिले। उस वक्त यह रकम काफी बड़ी मानी जाती थी। साथ ही उन्हें फिल्म 'काली घटा' के लिए साइन किया गया। इस फिल्म में उन्होंने किशोर साहू के साथ अभिनय किया। फिल्म में उनकी खूबसूरती और अदायगी ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन उन्हें असली पहचान 1953 में आई फिल्म 'अनारकली' से मिली, जिसमें उन्होंने टाइटल रोल निभाया। इस फिल्म की सफलता ने बीना राय को रातों-रात स्टार बना दिया। फिल्म के गाने, डायलॉग्स और उनकी अदाकारी इतनी नेचुरल थीं कि लोग उन्हें असली अनारकली मानने लगे।

'अनारकली' की सफलता के बाद के. आसिफ ने अपनी फिल्म 'मुगल-ए-आजम' का ऑफर दिया था, लेकिन बीना राय ने यह रोल करने से इनकार कर दिया। बाद में यह रोल मधुबाला को मिला, और फिल्म ने इतिहास रच दिया। इसके बाद वह 'घूंघट' (1960), 'ताजमहल' (1963), 'चंगेज खान', 'प्यार का सागर', और 'शगूफा' जैसी कई शानदार फिल्मों में नजर आईं। फिल्म 'घूंघट' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

बीना राय का फिल्मी करियर लगभग 15 साल का रहा। जब उनका करियर ऊंचाइयों पर था, तब उन्होंने शादी करने और घर बसाने का फैसला लिया। उन्होंने मशहूर अभिनेता प्रेमनाथ से 1952 में शादी की। शादी के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली और परिवार को समय देना शुरू किया। उनके दो बेटे हुए, जिनमें से एक, प्रेम किशन, बाद में खुद भी फिल्मों में नजर आए।

बीना राय ने 6 दिसंबर 2009 को इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

1950 के दशक में, जहां फिल्म इंडस्ट्री पुरुषों के इशारों पर चलती थी, वहां बीना राय ने अपनी शर्तों पर काम किया और अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर राज किया। यही वजह है कि आज भी लोग उन्हें याद करते हैं। उन्होंने अभिनेत्री के तौर पर ब्लैक एंड व्हाइट जमाने में भी रंग भर दिए।

राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर की जोड़ी मालिक में है शानदार

एक ऐसी जोड़ी जो आश्चर्यचकित भी करती है और आकर्षक भी है

एक ऐसी फिल्म में जो हिम्मत, हिंसा और राजकुमार राव की गहन गैंगस्टर ऊर्जा से भरी है, वहीं मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपनी शांति और सहजता से ध्यान आकर्षित करती हैं। 'मालिक' में शालिनी के किरदार में, मानुषी एक अप्रत्याशित भावनात्मक गहराई लेकर आती हैं, जो फिल्म के चारों ओर फैले अराजक माहौल को एक ठहराव देती है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि मानुषी ने 'मालिक' के लिए हरसंभव प्रयास किया, और उसमें पूरी तरह सफल भी रहीं। पहले ही गाने 'नामुमकिन' से यह स्पष्ट हो गया था कि वह केवल एक रोमांटिक हीरोइन नहीं हैं, बल्कि एक जटिल परतों वाला किरदार गढ़ रही हैं। है नामुमकिन, बिना तेरे, मेरा होना, है नामुमकिन जैसे भावुक बोलों पर आधारित यह गीत केवल मालिक के कोमल पक्ष को नहीं दर्शाता, बल्कि शालिनी को फिल्म की भावनात्मक धुरी के रूप में प्रस्तुत करता है। राजकुमार राव के साथ उनकी केमिस्ट्री इतनी वास्तविक लगती है कि यह नई जोड़ी भी परिपक्व और गहराई से जुड़ी हुई प्रतीत होती है।

'नामुमकिन' की एक और खास बात है मानुषी का सादा, बिना मेकअप वाला अवतार, जिसे न केवल दर्शकों बल्कि खुद राजकुमार राव ने भी खूब सराहा है।

'मालिक' के हाई-ऑक्टेन ट्रेलर में मानुषी की मौजूदगी और भी प्रभावशाली हो जाती है, जहाँ हम शालिनी को सादगी से भरे सलवार-कमीज़ और बिना मेकअप वाले लुक में देखते हैं। मानुषी अपने सौंदर्य प्रतियोगिता वाले अतीत की झलक पूरी तरह छोड़ देती हैं, और एक छोटे शहर की ऐसी महिला में बदल जाती हैं, जो अपने पति की अपराधों और महत्वाकांक्षा के हिंसक भंवर में फंसी हुई है। वह एक शांत, सौम्य लेकिन दृढ़ ताक़त है – जो कभी मालिक के पीछे तो कभी उसके साथ खड़ी नज़र आती है; उस आदमी के साथ जो दुनिया पर राज करने का सपना देखता है।एक ऐसी महिला के रूप में मानुषी का बारीकी से किया गया अभिनय – जो एक ओर अपने पति को विनाश की कगार से रोकने की कोशिश करती है, तो दूसरी ओर चुपचाप उसे आगे बढ़ने की ताक़त भी देती है – इस मर्दानगी से भरी कहानी में एक शांत लेकिन क्रांतिकारी बदलाव की तरह है। ट्रेलर के आते ही सोशल मीडिया पर चर्चाओं का सिलसिला शुरू हो गया, और ज़्यादातर ध्यान मानुषी के अपने अब तक के किरदारों से किए गए इस साहसी बदलाव पर रहा – जिससे यह साफ़ हो गया कि वह सिर्फ़ सुरक्षित किरदार निभाने नहीं आई हैं।

फिल्म का नवीनतम गाना, राज करेगा मालिक, महत्वाकांक्षा और विद्रोह से भरा एक उग्र गान है। और एक बार फिर, मानुषी बैकग्राउंड में फीकी नहीं पड़ती हैं। इसके बजाय, वह राजकुमार राव के साथ मजबूती और आत्मविश्वास से खड़ी होती हैं, जब दोनों मिलकर ये बयां करते हैं कि मालिक होना असल में क्या होता है, और इसी के साथ फिल्म का तेवर भी तय हो जाता है।चाहे बात उसके प्रभावशाली विज़ुअल्स की हो या स्क्रीन पर उसकी दमदार मौजूदगी की, मानुषी हर फ्रेम में राजकुमार की खतरनाक ऊर्जा को कदम-कदम पर टक्कर देती हैं। 'नामुमकिन' की धीमी सुलगती मोहब्बत, ट्रेलर में उनका भावनात्मक रूप से गहरा प्रदर्शन, और 'राज करेगा मालिक' में उनकी बेबाक ऊर्जा – ये सब मिलकर साफ़ कर देते हैं कि मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अब पूरी तरह से अभिनय की दुनिया में अपनी जगह बना चुकी हैं।

'मालिक' भले ही राजकुमार राव की पहली गैंगस्टर फिल्म हो, लेकिन यह मानुषी के करियर की सबसे अहम छलांग बनती दिख रही है – एक ऐसा मोड़, जहाँ वह ये साबित करती हैं कि वो सिर्फ़ एक ब्यूटी क्वीन से अभिनेत्री बनी शख़्सियत नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी ताक़त हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

सन ऑफ़ सरदार 2 में पहली बार सरदार की भूमिका निभाएंगे रवि किशन

अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब 'सन ऑफ़ सरदार 2' में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं – एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20-25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है, और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा।

यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है। गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी- हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा।

लेकिन अजय सर ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा-'रवि, तू कर लेगा'। उसी विश्वास ने मुझे ये रोल करने की ताकत दी। फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कॉमेडी तो बहुत देखी है, लेकिन इस फिल्म में एक अलग तरह की कॉमेडी है-जहां एक खूबसूरत कहानी आपके दिल को छूती है। ये फिल्म सिर्फ हंसाएगी नहीं, आपको भीतर तक छू जाएगी।

उन्होंने स्क्रिप्ट की तारीफ की, जिसने ह्यूमर और इमोशन के बीच शानदार संतुलन बनाया है और कहा कि फिल्म के किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक बनी रहेगी। इस फिल्म के जरिए रवि किशन न सिर्फ एक नया ऑन-स्क्रीन रूप लेकर आ रहे हैं, बल्कि उत्तर भारतीय दर्शकों से अपने जुड़ाव को भी और गहरा कर रहे हैं-एक ऐसी समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए जिसे मुख्यधारा के सिनेमा में शायद ही इतनी प्रमुखता से दिखाया गया हो।

इंटरनेट ने जिन्हें बनाया स्टार, अब सुपर डांसर का मंच बनाएगा उन्हें सुपरस्टार : शिल्पा शेट्टी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बेहद लोकप्रिय डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर दर्शकों के बीच लौट रहा है। इस बार का सीज़न बेहद खास है, क्योंकि इसमें भाग लेने वाले 12 प्रतिभागी न सिर्फ बेहतरीन डांसर हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बड़े सितारे बन चुके हैं। अपने वायरल डांस मूव्स से इंटरनेट पर धूम मचाने के बाद अब ये युवा कलाकार एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं। ये सभी मिलकर लाइव मंच पर अपने दमदार टैलेंट से जजेस और दर्शकों का दिल जीतेंगे। शिल्पा शेट्टी ने कहा, हर कंटेस्टेंट अपनी एक अलग स्टाइल और विविधता लेकर आया है। ये युवा कलाकार बेहद आत्मविश्वासी हैं और सोशल मीडिया पर इनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। 'इंटरनेट ने जिन्हें बनाया स्टार, अब स्टेज बनाएगा उन्हें सुपरस्टार' इस सीज़न की थीम को यह पंक्ति बहुत ही खूबसूरती से बयाँ करती है। बहुत से लोगों के साथ मैंने भी इनकी परफॉर्मेंस इंटरनेट पर देखी और बहुत मुझे यह खूब पसंद आई, लेकिन अब इन्हें 'सुपर डांसर' जैसे भव्य मंच पर लाइव परफॉर्म करते देखना वाकई रोमांचकारी होगा।

मुझे यकीन है कि इस सीजन में कुछ जबरदस्त परफॉर्मेंसेस देखने को मिलेंगी और दर्शक इसे भरपूर एन्जॉय करेंगे। शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर और मरज़ी पेस्टनजी की तिकड़ी इस शो को जज करेंगी। आगामी सीजन हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस, यूनिक डांस स्टाइल और जुनून की दावत देता है। सुपर डांसर चैप्टर 5 की शुरुआत होगी 19 जुलाई को, हर शनिवार-रविवार रात 8 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर।

इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म सरजमीन का ट्रेलर रिलीज

दिग्गज अभिनेत्री अमृता सिंह के लिए बहुत बड़ा दिन है, क्योंकि शुक्रवार के दिन एक तरफ उनकी बेटी 'सारा अली खान' की फिल्म मेट्रो... इन दिनो रिलीज हुई है, तो वहीं दूसरी तरफ इब्राहिम की फिल्म 'सरजमीन' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। सारा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सरजमीन' का ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज मम्मी का दिन है! क्योंकि आज ही के दिन मेरे भाई की फिल्म का ट्रेलर और मेरी फिल्म रिलीज हुई है... और अगर मैं खुद कहूं तो, दोनों ही... अब थिएटर जाओ! और 25 जुलाई के लिए अपना कैलेंडर मार्क कर लो!

सरजमीन में पृथ्वीराज सुकुमारन को विजय मेनन के रूप में दिखाया गया है, एक ऐसा व्यक्ति जो पिता और सैनिक के रूप में अपने कर्तव्य के बीच फंसा हुआ है। वहीं, काजोल फिल्म में मां की भूमिका अदा कर रहीं हैं, जो अपने परिवार को एक साथ रखने की कोशिश करती रहती हैं, और इब्राहिम को हरमन के रूप में देखा जाएगा।इस मोस्ट अवेटेड ड्रामा का हिस्सा बनने के अपने उत्साह को साझा करते हुए, इब्राहिम ने कहा, सरज़मीन मेरे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। इसने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, न केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी। मेरा किरदार प्यार, वफादारी और सच्चाई के बीच फंसा हुआ है, और उस भावनात्मक स्पेक्ट्रम को नेविगेट करना सबसे तेजी से सीखने वाला अनुभव था। काजोल और पृथ्वीराज के साथ स्क्रीन साझा करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काजोल मैम और पृथ्वीराज सर को एक्शन में देखना एक खजाना था, वे अपनी कला में इतने सहज और स्वाभाविक हैं और जिसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मैंने सरजमीन में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे। सरजमीन जैसी कहानियों को हर जगह, हर किसी को देखने और महसूस करने की आवश्यकता है।

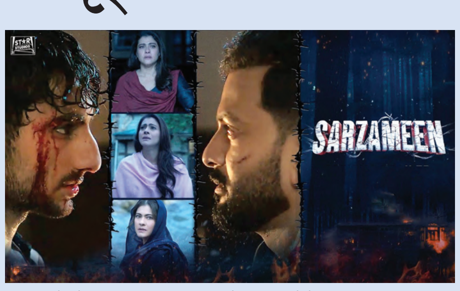

आज वसुमान योग का शुभ संयोग में सिंह सहित अन्य राशियों को मिलेगा चौतरफा लाभ

आज यानी 13 जुलाई रविवार को चंद्रमा का गोचर मकर उपरांत कुंभ राशि में होने जा रहा है और आज के दिन गुरु का आर्द्रा नक्षत्र के तीसरे चरण में प्रवेश होने जा रहा है। इस पर आज गुरु से छठे भाव में संचार करते हुए चंद्रमा वसुमान योग का संयोग बनाएंगे। इसके साथ ही आज धनिष्ठा नक्षत्र के संयोग में प्रीति योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। जबकि आज सूर्य और गुरु की युति से गुरु आदित्य योग का भी संयोग बनेगा। साथ ही आज रविवार होने की वजह से पूरे दिन सूर्य ग्रह का प्रभाव रहेगा जबकि दिन के स्वामी सूर्य देव होंगे। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज सावन मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि है और तिथि के अनुसार आज का दिन मां पार्वती को समर्पित होगा। ऐसे में वसुमान योग और मां पार्वती और सूर्यदेव की कृपा से आज का दिन सिंह सहित अन्य राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज इन राशियों को चौतरफा लाभ मिलने के आसार हैं। इनके काम आज पूरे होंगे और इनके परिवार में भी आज सुख और समृद्धि का वास रहेगा। इसके साथ ही आज के दिन इन राशियों के जातकों को सूर्य नारायण को अर्घ्य देने और सूर्य चालीसा का पाठ करने का अतिरिक्त फल मिलेगा।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए आज यानी रविवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आज मेष राशि के जातकों को करियर से लेकर कारोबार में मनचाही सफलता मिल सकती है। शासन और प्रशासन के काम से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिसका आप बेहतरीन तरीके से निर्वहन करेंगे। खासकर आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी। आपको धन प्राप्ति के नए अवसर मिल सकते हैं। इसके साथ ही आज आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। सामाजिक दायरे में विस्तार होगा और तरक्की की राह में आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही आज परिवार में आपको बड़े भाई बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रेमपूर्वक रहेंगे। वैवाहिक जीवन में मीठी नोकझोंक देखने को मिल सकती है।

उपाय : आज रविवार को सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद बरगद के पत्तों पर अपनी मनोकामना लिखें और उसे बहते हुए पानी में बहा दें। इससे आपकी मनोकामना पूरी होगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन शुभ रहने वाला है। आज आपको कार्यक्षेत्र में भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अटके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। इसके साथ ही आज आपका बाजार में अटका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। कारोबार में लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है जबकि आपके मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपको बेहतर विकल्प मिल सकते हैं। घर में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी और फैमिली बिजनेस करते हैं तो पिता या वरिष्ठ लोगों का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी पेशा जातकों के लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपको कोई उपलब्धि मिल सकती है जिससे आपकी सराहना होगी और आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। परिवार में आज सुख समृद्धि रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध अनुकूल रहेंगे।

उपाय : आज रविवार को नमक का सेवन करने और खरीदने से बचें। इसके अलावा घर पर नमक का पोंछा लगाएं। और जरूरमंदों को अन्न का दान करें।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभदायक रहने वाला है। आज आपके सोच हुए काम पूरे होंगे। खासकर आज साझेदारी में किए गए काम बेहतर परिणाम दिला सकते हैं। इसके साथ ही आज आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। आपको मनचाहा लाभ मिल सकता है। आज बिजनेस पार्टनर के साथ आपके संबंध अच्छे होंगे। भरोसा बढ़ेगा। इसके साथ ही आप कारोबार में बड़े बदलावों को भी हरी झंडी दिखा सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को मनचाहा काम या ट्रांसफर मिल सकता है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में आज आपके माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। लव पार्टनर के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं। एक-दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखेंगे।

उपाय : आज रविवार को सूर्य नारायण को अर्घ्य देने के बाद 108 बार ॐ घृणिः सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। और घर के मंदिर और मुख्य द्वार पर घी का दीया जलाएं।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपको कारोबार में धन प्राप्ति के नए मौके मिलेंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जो आपको बेहतर मुनाफे का सौदा दिला सकता है। जिससे आप प्रसन्न होंगे और अच्छा धन कमा सकेंगे। इसके साथ ही आज आप बेहतर भविष्य के लिए निवेश कर सकते हैं। फिजूल खर्च से आप दूर रहेंगे। परिवार में आज आपके माहौल अनुकूल रहेगा। आपके भी व्यक्तित्व में आज निखार देखने को मिलेगा। इसके साथ ही आज आपमें आत्मविश्वास और लचीलेपन का समन्वय होगा जिससे आप हर परिस्थिति में अपने लिए कुछ न कुछ निकाल पाएंगे। सबसे अच्छी बात यह है कि आज आप किसी की बातों में नहीं आएंगे और अपनी बुद्धि से फैसले लेंगे। राजनीतिक क्षेत्र के जातकों को आज पद और प्रतिष्ठा से जुड़ा फायदा मिल सकता है। परिवार में आपके आज सुख शांति रहेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज रविवार को पीपल के पेड़ के नीचे चौमुखी दीया जलाएं। इसके बाद सच्चे मन से अपने ईष्टदेव को याद करते हुए पीपल की सात बार परिक्रमा करें। इससे आपकी बाधाएं दूर होंगी।

मीन राशि– मीन राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज आपको विदेश से जुड़े कार्यों में लाभ मिलने के आसार हैं। खासकर आज पढ़ाई या कारोबार के लिहाज से विदेश जाने की सोच रहे हैं तो आज आपको उम्मीद की किरण दिखाई दे सकती है। इसके साथ ही अगर आपका कोई सौदा अटक रहा है तो आज के दिन अड़चन दूर हो सकती है। आयात निर्यात, हॉस्पिटल, मेडिआज स्टोर, लैब आदि से जुड़े काम करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। इसके साथ ही आज पुण्य कार्यों में आपका मन लगेगा। आपके सामाजिक दायरे में इजाफा होगा। दोस्तों की मदद से कमाई के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। बड़े भाई बहनों के साथ संबंधों में तनाव चल रहा था तो वह दूर हो सकता है। परिवार में आनंद का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में मिठास रहेगी।

उपाय : आज रविवार को सूर्य देव को लाल फूल, अक्षत और रोली मिलाकर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इसके बाद कम से कम ११ बार सूर्य चालीसा का पाठ करें।

सावन में मस्तिष्क पर लगाए शिव का त्रिपुंड

सावन माह में भगवान शिव की आराधना उत्तम मानी गई है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यह श्रेष्ठ माह माना जाता है। पूरे माह भक्त पूरी श्रद्धा से भगवान शिव और उनके परिवार की पूजा की जाती है। सावन के सभी सोमवार का अपना महत्व होता है। मान्यता है कि सावन मास में भोलेनाथ की अराधना करने से सुख-शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सावन का पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा और सावन का अंतिम सोमवार 4 अगस्त को पड़ रहा है। इस साल सावन में कुल 4 सोमवार आ रहे हैं। सावन महीने में 4 सोमवार व्रत होंगे और चार मंगला गौरी व्रत होंगे। शिव पुराण के अनुसार भस्म सभी प्रकार के मंगलों को देने वाला है। यह दो प्रकार का होता है। पहला-महाभस्म और दूसरा-स्वल्पभस्म। महाभस्म के तीन प्रकार श्रौत, स्मार्त और लौकिक हैं। श्रौत और स्मार्त द्विजों के लिए और लौकिक भस्म सभी लोगों के उपयोग के लिए होता है। द्विजों को

वैदिक मंत्र के उच्चारण से भस्म धारण करना चाहिए। दूसरे लोग बिना मंत्र के ही इसे धारण कर सकते हैं। शिव पुराण में बताया गया है कि जले हुए गोबर से बनने वाला भस्म आग्नेय कहलाता है। वह भी त्रिपुंड का द्रव्य है। शरीर के सभी अंगों में जल के साथ भस्म को मलना या तिरछा त्रिपुंड लगाना आवश्यक बताया गया है। भगवान शिव और विष्णु ने भी तीर्यक त्रिपुंड धारण करते हैं।

त्रिपुंड क्या है

ललाट आदि सभी स्थानों में जो भस्म से तीन तिरछी रेखाएं बनायी जाती हैं, उनको त्रिपुंड कहा जाता है। भौहों के मध्य भाग से लेकर जहां तक भौहों का अंत है, उतना बड़ा त्रिपुंड ललाट पर धारण करना चाहिए। मध्यमा और अनामिका अंगुली से दो रेखाएं करके बीच में अंगुठे से की गई रेखा त्रिपुंड कहलाती है। या बीच की तीन अंगुलियों से भस्म लेकर भक्ति भाव से ललाट में त्रिपुंड धारण करें।

त्रिपुंड की हर रेखा में 9 देवता

शिव पुराण में बताया गया है कि त्रिपुंड की तीनों रेखाओं में से प्रत्येक के नौ नौ देवता हैं, जो सभी अंगों में स्थित हैं। त्रिपुंड की पहली रेखा में प्रथम अक्षर अकार, गार्हपत्य अग्नि, पृथ्वी, धर्म, रजोगुण, ऋृग्वेद, क्रियाशक्ति, प्रात:सवन तथा महादेव 9 देवता होते हैं। दूसरी रेखा में प्रणव का दूसरा अक्षर उकार, दक्षिणाग्नि, आकाश, सत्वगुण, यजुर्वेद, मध्यंदिनसवन, इच्छाशक्ति, अंतरात्मा तथा महेश्वर ये 9 देवता हैं। तीसरी रेखा के 9 देवता प्रणव का तीसरा अक्षर मकार, आहवनीय अग्नि, परमात्मा, तमोगुण, द्युलोक, ज्ञानशक्ति, सामवेद, तृतीय सवन तथा शिव हैं।

कहां धारण करें त्रिपुंड

शरीर के 32, 16, 8 या 5 स्थानों पर त्रिपुंड लगाना चाहिए। मस्तक, ललाट, दोनों कान, दोनों नेत्र, दोनों नासिका, मुख, कंठ, दोनों हाथ, दोनों कोहनी, दोनों कलाई, हृदय, दोनों पाश्र्वभाग, नाभि, दोनों अंडकोष, दोनों उरु, दोनों गुल्फ, दोनों घुटने, दोनों पिंडली और दोनों पैर ये 32 उत्तम स्थान हैं। समयाभाव के कारण इतने स्थानों पर त्रिपुंड नहीं लगा सकते हैं तो पांच स्थानों मस्तक, दोनों भुजाओं, हृदय और नाभि पर इसे धारण कर सकते हैं।

सावन के महीने में शिवलिंग पर आर्पित करें ये पांच फूल, भगवान शिव होंगे प्रसन्न

सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। कहते हैं इस महीने में जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान शिव की उपासना करता है उसकी सारी मनोकामनाएं देवों के देव महादेव पूरी करते हैं। शास्त्रों के मुताबिक, इस महीने में भगवान शिव अपने परिवार के साथ

पृथ्वी का विचरण करने के लिए आते हैं। साथ ही इस महीने का महत्व और अधिक इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि, इस महीने में भगवान शिव ने माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने का वरदान दिया था। इसलिए सावन मास भगवान शिव की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान शिवलिंग का अभिषेक और उन्हें विशेष प्रकार के फूल अर्पित करना अत्यंत फलदायक होता है।

सावन में भगवान शिव को अर्पित करें ये फूल

धतूरा शिवजी को धतूरा बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से मन से नकारात्मक विचार और बुरी आदतें दूर होती हैं। सावन के महीने में भगवान शिव को धतूरा अर्पित करने से मन शुद्ध रहता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मदार के फूल

मदार का फूल भी शिवजी को चढ़ाया जाता है। इसे चढ़ाने से जीवन में आने वाले बड़े संकट टलते हैं और अगर आपके शत्रु आपको परेशान कर रहे हैं तो विशेष रुप से यह फूल सावन के महीने में भगवान शिव को अर्पित करें।

कुंद के फूल

सफेद कुंद का फूल शिवलिंग पर चढ़ाना पवित्र माना जाता है। इस फूल को शिवलिंग पर चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में शांति, प्रेम और मानसिक स्थिरता आती है।

नीलकमल

नीलकमल शिवजी को बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से दुर्भाग्य दूर होता है और घर परिवार में सुख-शांति बढ़ती है।

गुलाब के फूल

गुलाब हर पूजा में चढ़ाया जाता है। इसी के साथ सावन के महीने में भगवान शिवजी को अर्पित करने से प्रेम संबंधों में मधुरता आती है।

कनेर के फूल

सावन के महीने में पीले और सफेद कनेर के फूल शिवलिंग पर चढ़ाए। इन फूलों को अर्पित करने से व्यक्ति को रोगों से मुक्ति मिलती है और आर्थिक कष्ट भी दूर होते हैं।

सावन में शिवलिंग पर फूल चढ़ाने की विधि

भगवान शिव को फूल अर्पित करने से पहले इस बात का ध्यान रखें की फूल हमेशा ताजे और साफ होने चाहिए।

भगवान शिव को फूल उल्टे करके या जिनकी पंखुड़ी टुटी हो वह नहीं चढ़ाने चाहिए।

सावन के महीने में भगवान शिव को फूल बेलपत्र के साथ फूल अर्पित करना श्रेष्ठ होता है।

जब भी शिवलिंग पर फूल अर्पित करें तो ओम् नमः शिवाय का जप करते हुए ही फूल चढ़ाएं।

सावन मास में करें इस एक चीज का दान भोलेनाथ करेंगे आर्थिक परेशानियां दूर

श्रावण मास महात्म्य में इस महीने के महत्व, दान, नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया है। सावन मास भगवान शिव का प्रिय महीना है और इस महीने में किए जाने वाले शुभ कर्मों का अत्यंत फल मिलता है। माना जाता है कि सावन में व्यक्ति को किसी न किसी व्रत का पालन जरूर करना चाहिए। साथ ही अपनी क्षमता अनुसार दान करना चाहिए। इससे शिवजी प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा मिलती है।

सावन में पुस्तकों का दान करें

श्रावण मास महात्म्य के अनुसार, सावन मास में मौनव्रत रखने का बड़ा महत्व है। खासकर भोजन के समय मौनव्रत रखना चाहिए और व्रत के अंत में घंटा और पुस्तक का दान करें। इसके साथ ही ब्राह्मणों को रोटक का दान करना चाहिए। केला, नारियल, खजूर, ककड़ी, नारंगी, नींबू समेत अन्य ऋतु फल के दान करने का बड़ा महत्व है। इसके साथ ही सावन में अपनी किसी प्रिय वस्तु का त्याग करके भोलेनाथ को अर्पित करने से व्यक्ति को परम गति मिलती है और उसके सद्कर्मों का प्रति लाख गुना फल मिलता है।

तिल के लड्डू कर सकते हैं दान

सावन मास में घर में रुद्राभिषेक कराने, होम कराने का भी महत्व बताया गया है। इसके साथ ही क्षमता अनुसार ब्राह्मणों को भोज कराना चाहिए। नागों का पूजन करना चाहिए। उनके नाम से दूध आदि का दान करना चाहिए। इसके अलावा तिल के लड्डुओं को भगवान को अर्पित करने के बाद इनका दान करना चाहिए। सावन में खीर या तिल से गायत्री मंत्र, मूल मंत्र या शिव सहस्रनाम मंत्रों से घर में होम कराना चाहिए। जिस भी मंत्र से पूजा की गई है उससे ही पूर्णाहुति डालनी चाहिए। इसके बाद होम कराने वाले ब्राह्मणों को वस्त्र, अलंकार, भूषण, क्षमतानुसार दक्षिणा आदि देनी चाहिए।

यथासंभव दान करने का है महत्व

यही नहीं सावन मास में फूल, फल, तुलसी की मंजरी, तुलसी दल, बेल पत्र से शिवजी की पूजा करनी चाहिए। सावन मास में शाक का त्याग करने का महत्व बताया गया है। सावन में रोज अतिरुद्र, महारुद्र या रुद्रमंत्र से शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। इसके अलावा सावन मास में यथासंभव दान पुण्य करना चाहिए। इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा प्राप्त होती है। सावन में शिवजी की सोने की मूर्ति बनवाकर पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही चांदी का दीया बनाकर उसका दान करना चाहिए। इससे आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं।

सावन में इन चीजों का कर सकते हैं दान

शिव पुराण में भी सावन में दान के बारे में बताया गया है। सावन में गोदान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। भूदान करने से परलोक में आश्रय मिलता है जबकि तिल के दान से बल मिलता है। वस्त्रों के दान से आयु बढ़ती है। गुड़ के दान से भोजन की प्राप्ति होती है। सोने-चांदी के दान से वीर्य बढ़ता है और धन का दान करने से धन-समृद्धि बढ़ती है। इसके साथ ही सावन में कोंहड़ा और घी का दान करना पुष्टिदायक है जबकि कन्यादान श्रेष्ठ दान है जिससे जीवन में भोग मिलता है।

16 को कर्क संक्रांति मनाई जाएगी

सावन महीने की शुरुआत होने वाली है। यह महीना देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है। इस महीने में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही मनचाही मुराद पाने के लिए व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर एक कामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

सनातन शास्त्रों में सावन महीने की महिमा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। इस महीने में भगवान शिव और मां पार्वती धरती लोक पर आते हैं। अतः श्रद्धा भाव से शिव-शक्ति की पूजा की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि सावन महीने में कब कर्क संक्रांति मनाई जाएगी?

सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। सूर्य देव एक राशि में 30 दिनों तक रहते हैं। इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं। इसके बाद सूर्य देव की भक्ति भाव से पूजा करते हैं। वहीं, पूजा के बाद आर्थिक स्थिति के अनुसार दान करते हैं।

सूर्य राशि परिवर्तन

वर्तमान समय में सूर्य देव मिथुन राशि में विराजमान हैं। मिथुन राशि में सूर्य देव 15 जुलाई तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 16 जुलाई को सूर्य देव कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस शुभ अवसर पर कर्क संक्रांति मनाई जाएगी। आसान शब्दों में कहें तो 16 जुलाई को कर्क संक्रांति है। इस दिन सूर्य देव शाम 05 बजकर 40 मिनट पर कर्क राशि में गोचर करेंगे।

कर्क संक्रांति

सूर्य देव 16 जुलाई को कर्क राशि में गोचर करेंगे। इस दिन स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप के लिए शुभ समय सुबह 05 बजकर 40 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल दोपहर 03 बजकर 22 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 40 मिनट तक है। इस दौरान साधक स्नान-ध्यान कर सूर्य देव की पूजा कर सकते हैं।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 बजकर 34 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 07 बजकर 20 मिनट पर
चंद्रोदय– रात 10 बजकर 57 मिनट पर
चंद्रास्त– सुबह 10 बजकर 46 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 12 मिनट से 04 बजकर 53 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 40 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 19 मिनट से 07 बजकर 40 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात 12 बजकर 07 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

क्या आप जानते हैं?

- क्या आप जानते हैं कंगारू और कोआला भी अपने बच्चों को दूध पिलाते हैं? इन जानवरों के बच्चे जन्म के समय बहुत छोटे होते हैं और अपनी मां के पेट पर बनी थैली में लंबे समय तक रहते हैं जिसे सैक कहा जाता है।
- संसार का सबसे छोटा स्तनपायी जानवर है हॉग नौज्ड चमगादड़ जो सिर्फ 3 सैंटीमीटर लम्बा होता है।
- रेंगने वाले और उभयचर जीवों की रफ्तार उनके शारीरिक तापमान पर निर्भर करती है। इसीलिए ये जानवर धूप में अधिकतर लेटे रहते हैं ताकि उनके शरीर का तापमान बढ़ सके और उनमें ऊर्जा एकत्रित हो सके।
- वे पदार्थ जो पैन की कोटिंग से उत्पन्न होते हैं वही पदार्थ ध्रुवीय भालू के रक्त में भी पाए गए हैं? ये पदार्थ हवा और समुद्री पानी के द्वारा भालुओं के रहने के स्थान पर पहुंचे हैं।
- खतरे में पड़ी पौधों व जानवरों की जातियों के व्यापार पर पाबंदी लग चुकी है। इसके बावजूद कई पाबंदी वाले उत्पादों की तस्करी होती है।
- तकरीबन 100 तरह के जानवरों व पौधों की नस्लें रोजाना विलुप्त होती हैं।
- एक विशेष किस्म की गाय रोजाना 50 किलोग्राम तक दूध देती है। हालांकि सिर्फ 8 किलोग्राम दूध ही गाय के बछड़े के लिए काफी होता है।
- स्काईलार्क पक्षी जिंदा रहने के लिए सारा दिन गाता रहता है। भद्दा गाने वाले पक्षियों को शिकारी पक्षियों द्वारा मार दिया जाता है।
- छछुंदर विलुप्त होने की कगार पर है इसलिए बगीचों के मालिक इन्हें मारते नहीं सिर्फ भगा देते हैं।

करंट मारती मछलियां !

समुद्र का नाम सुनकर कौन-सा ख्याल आपके मन में सबसे पहले आता है। निश्चित तौर पर मछलियों या फिर समुद्री जीवों का। बड़ी शार्क मछली या फिर कुछ और। आज हम आपको करंट मारने वाली मछलियों के बारे में बताते हैं।

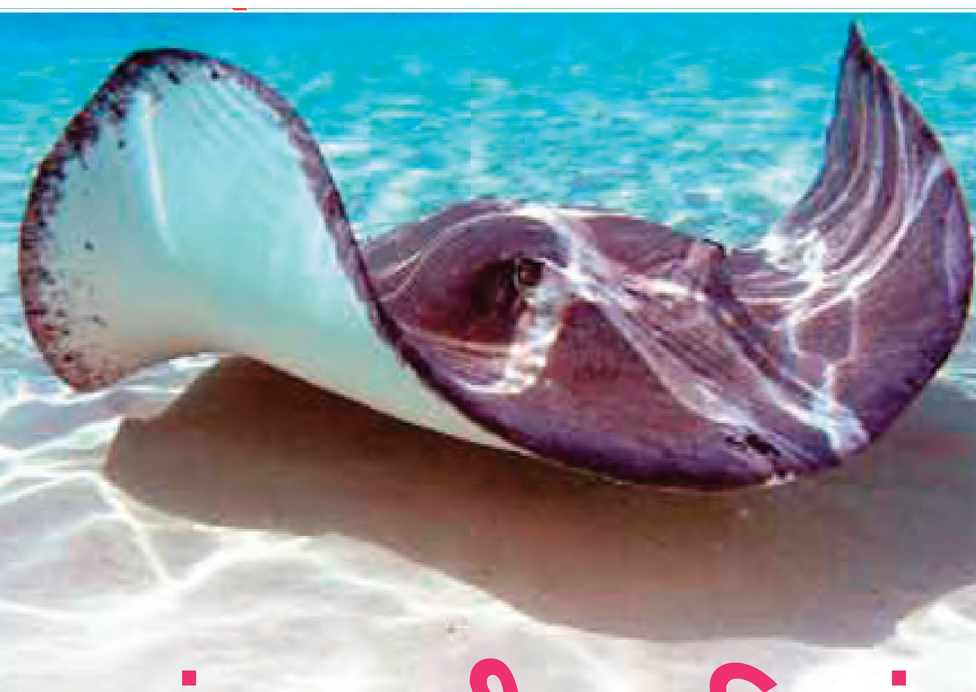

इलैक्ट्रिक स्टिंग रे

करंट मारने वाली मछलियों में सबसे पहले नाम आता है इलैक्ट्रिक स्टिंग रे। इनकी करीब 14 प्रजातियां पाईं जाती हैं, जो प्रशांत महासागर से लेकर अटलांटिक महासागर तक में मिलती हैं। अन्य प्रजातियों में कॉफीन रेज, स्लीपर रेज और नम्ब मछलियां आती हैं। इन सभी में करंट पैदा करने की क्षमता होती है। इन्हें आकार और शिकार करने की प्रक्रिया के आधार पर दो भागों में बांटा गया है। बड़े समुद्री जीवों का शिकार करने वाली मछलियों को टारपीडिया कहा जाता है। ये अपने शिकार को पूरा निगल जाती हैं। कॉफीन रे और इलैक्ट्रिक रे इस सुपर फैमिली के अंतर्गत आती हैं। दूसरी फैमिली है नारसिनोइडिया। ये छोटे समुद्री जीवों का शिकार करती हैं। इसके अंतर्गत स्लीपर रे, नम्ब फिश आती हैं। टारपीडो मछलियां कई रंगों में पाई जाती हैं। मादा मछलियां नर की अपेक्षा बड़ी होती हैं। प्रशांत महासागर में पाए जाने वाली ये मछलियां बड़ी ही चालाकी से अपने शिकार को करंट के झटके से मारती हैं। आमतौर पर ये 45 वोल्ट का करंट छोड़ती हैं, लेकिन कभी-कभी इनके करंट का माप किलोवाट में भी पहुंच जाता है। करंट इतना शक्तिशाली होता है कि इनके झटके से एक आदमी दूर तक गिर सकता है। प्राचीन यूनान में ऐसा कहा जाता है कि इन मछलियों के द्वारा छोड़ी गई बिजली की तरंगों की मदद से कई प्रकार का इलाज व सर्जरी की जाती थी। रोम के लोग इन टारपीडो मछलियों के करंट की मदद से अपने सिरदर्द का इलाज किया करते थे।

इलैक्ट्रिक ईल्स

इलैक्ट्रिक फिश के परिवार के एक और सदस्य से मिलते हैं, इसे कहते हैं इलैक्ट्रिक ईल। अब आप सोच रहे होंगे कि इसके करंट की तीव्रता कितनी होती होगी? दरअसल, इसके करंट से एक आदमी की मृत्यु तो नहीं हो सकती, पर करंट लगने से श्वास सम्बंधी या फिर हृदयाघात जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये मीठे पानी में ही रहती हैं, यानी झीलों और नदियों में पाई जाती हैं। ये करंट का प्रयोग खुद के बचाव के लिए करती हैं। इलैक्ट्रिक ईल्स का रंग ऊपर से भूरा और नीचे पेट पर नारंगी या पीला रंग का होता है। इनके सुनने की क्षमता बहुत अच्छी होती है। ये सांस लेने के लिए हर दस मिनट में पानी की सतह पर आती हैं। इलैक्ट्रिक ईल्स आठ फीट तक लम्बी हो सकती है।

इलैक्ट्रिक कैट फिश

यह आक्रमणकारी मछली अपने शरीर से करीब आधे से ज्यादा वजन का शिकार आराम से कर सकती है। अफ्रीका में पाई जाने वाली ये मछली गहरे पानी में रहती है और शिकार के आते ही ये उस पर आक्रमण कर देती है। इसके मुंह के पास मूंछे होती हैं। ये मछलियां तैरते और आराम करते समय भी लगातार इलैक्ट्रिक करंट छोड़ती रहती हैं। कभी -कभी ये अपने बचाव के लिए 350 वोल्ट तक का करंट भी छोड़ती है, जो अपने आप में एक आश्चर्य है। करंट छोड़ते समय ये करीब आधे मिनट तक करंट छोड़ती रहती है, जिस वजह से इनकी गिरफ्त में आया शिकार मर जाता है।

अन्य इलैक्ट्रिक जीव

स्टिंग रे, ईल्स और कैट फिश के अलावा समुद्र में न जाने कितने ऐसे ही जीव रहते हैं, जिनमें इलैक्ट्रिक करंट छोड़ने की क्षमता होती है। मछलियों की लगभग 500 ऐसी प्रजातियां पाई जाती हैं, जो अपने बचाव के लिए करंट पैदा करती हैं। इनमें एलीफेंट फिशेज, बोनीटंग और स्टारगेजर नामक कुछ मछलियां ऐसी हैं जो विभिन्न प्रकार के करंट छोड़ती हैं। मंगोलिया में पाए जाने वाली डेथ अर्थवॉर्म (केंचुआ) जो कि गोबी के मरुस्थल में पाया जाता है, वह भी इलैक्ट्रिक करंट का प्रयोग करता है। हालांकि अभी यह प्रमाणिक नहीं है कि ये पाया भी जाता है या केवल कल्पनाओं में ही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार ये कभी-कभी दिखाई दे जाते हैं।

कविता

पूर्व ने खोला सुबह का सूर्य

रेशमी शोला सुबह का सूर्य,
जोगिया चोला सुबह का सूर्य।
भाल पर जैसे हो प्राची के,
रौली का गोला सुबह सूर्य।
कौन मैं? 'मैं पूर्व की पगड़ी',
खुद से ही बोला सुबह का सूर्य।
पी रहा हो फैन्टा अथवा,
पैप्सी-कोला सुबह का सूर्य।
प्राची का मुख लाल लज्जा से,
ऐसा क्या बोला सुबह का सूर्य?
था बंधा पश्चिम के खूंटे से,
पूर्व ने खोला सुबह का सूर्य।

पहेलियां

1. हरी थी मन भरी थी मोतियों से जड़ी थी राजाजी के बाग में दुशाला ओढ़े खड़ी थी
2. चार अक्षर का मेरा नाम, टिमटिम तारे बनाना काम, शादी, उत्सव या त्योहार, सब जलाएं बार-बार।
3. तुम न बुलाओ मैं आ जाऊंगी, न भाड़ा न किराया दूंगी, घर के हर कमरे में रहूंगी, पकड़ न मुझको तुम पाओगे, मेरे बिन तुम न रह पाओगे, बताओ मैं कौन हूं?
4. गर्मी में तुम मुझको खाते, मुझको पीना हरदम चाहते, मुझसे प्यार बहुत करते हो, पर भाप बनूं तो डरते भी हो।
5. मुझमें भार सदा ही रहता, जगह घेरना मुझको आता, हर वस्तु से गहरा रिश्ता, हर जगह मैं पाया जाता
6. ऊपर से नीचे बहता हूं, हर बर्तन को अपनाता हूं, देखो मुझको गिरा न देना वरना कठिन हो जाएगा भरना।

उत्तर :1. भुट्टा 2.फुलझड 3.हवा 4.पानी 5.गैस 6. द्रव्य

वेद भक्त- डॉ. विजयवीर विद्यालंकार

डॉ. विजयवीर विद्यालंकार भारत के प्रमुख संस्कृत विद्वानों में से एक हैं। वे संस्कृत साहित्य, विशेष रूप से वैदिक साहित्य और भारतीय दर्शन के क्षेत्र में अपने गहन अध्ययन और योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके कार्यों में प्राचीन भारतीय ग्रंथों की व्याख्या, संपादन और अनुसंधान शामिल हैं, जो संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पंडित जी (डॉ. विजयवीर विद्यालंकार) का जन्म मुम्बई में 13 जुलाई 1944 को एक ऋषि भक्त नारायण राव आर्य परिवार में हुआ। आपने आरंभ में गुरुकुल घटकेश्वर, हैदराबाद से शिक्षा प्राप्त की और आगे की उच्च शिक्षा के लिए गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में प्रवेश किया, जहां पर उन्होंने विद्यालंकार तक पढ़ाई की। उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम. ए. संस्कृत में की और हिंदी में भी उन्होंने एम. ए. और फिर पी.एच.डी. किया।

पंडित जी की अभिरुचि (हॉबी) वैदिक यज्ञानुष्ठान, धार्मिक प्रवचन तथा काव्य रचनाहत्य साधक डॉ.एन.पी. कुट्टन पिल्लै, हिन्दी साहित्य गीतिका, विपंचिका, चतुर्वेद - मन्त्रानुक्रम - विवरणिका इत्यादि।

पंडित जी इस समय मानव कल्याण हेतु, ईश्वरीय ज्ञान, चारों वेदों का भाष्य और काव्यानुवाद करने के कार्य में लगे हुए हैं। आप ग्रहस्थ जीवन की जिम्मेदारी उठाते हुए भी एक ऋषि मुनि के समान अपना सर्वस्व चारों वेदों के काव्यानुवाद में लगाए हुए हैं। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि उन्होंने यजुर्वेद, अथर्ववेद, सामवेद का काव्यानुवाद कर प्रकाशन भी पूर्ण किया है।यह उपलब्धि बहुत बड़ी है और मानव जाति के लिए इस पुण्य कर्म को हम सदा सदा के लिए इनके कृतज्ञ रहेंगे। इस सांसारिक व्यस्तता के बाद भी कितना कठिन कार्य इन्होंने संपन्न किया और इस समय ऋग्वेद के काव्यानुवाद में बहुत ही व्यस्त हैं। आप लगभग 700 मंत्रों का काव्यानुवाद कर चुके है। अगले वर्ष अप्रैल तक ऋग्वेद के पहला खण्ड प्रकाशित होने की आशा है।

आपको कई सम्मान एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय भावनात्मक एकता पुरस्कार, भगवान महावीर विश्व सद्भावना पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन वैदिक साहित्य सम्मान, विश्व वेद सम्मेलन हरिद्वार में वैदिक साहित्य में विशिष्ट योगदान सम्मान, महर्षि दयानन्द सरस्वती वैदिक जागरण पुरस्कार, वेदों और रस सिद्धांतों पर उल्लेखनीय कार्यों के लिए युद्धवीर अवार्ड, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा एवं डीएवी कालेज प्रबंधन समिति (दिल्ली) द्वारा वैदिक विद्वान के रूप में प्रशस्ति पत्र, स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा वेदों को काव्य रूप देने में जीवन को समर्पित करने हेतु अभिनन्दन पत्र, प्रसिद्ध ऐतिहासिक आर्यसमाज महर्षि दयानंद मार्ग, सुल्तान बाजार में सम्मानित।आशा और विश्वास करते हैं कि आपकी लेखनी पद्यानुवाद के लिए चलती रहे और परमपिता परमात्मा द्वारा दिया हुआ वेदों का अमृत ज्ञानभंडार आप द्वारा मानव कल्याण के लिए सरल, सुलभ उपयोगी बने।

- भक्त राम

अध्यक्ष - स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच हैदराबाद मो. 98490 95150

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा डॉ. विजयवीर विद्यालंकार के अभिनंदन का दृश्य।

ग्लैडीएटरों का खौफनाक खेल

इटली की राजधानी रोम दुनिया का वह शहर है जहां का इतिहास आपको भयभीत करता है। प्राचीन सभ्यता के साथ कदम मिलाकर चलना स्वयं में एक महत्वपूर्ण अनुभव है। हमारे गाइड ने हमें कोलोसीयम- बहुत बड़ा गोल आकार का खुला ऑडीटोरियम दिखाया जहां ढेरों मुकाबलों और खेलों का आयोजन होता था जिसे शासक, दरबारी, रईस और शहर के दूसरे प्रतिष्ठित लोग देखने के लिए आते थे। कोलोसीयम को इस तरह से बनाया गया था कि हर स्थान पर बैठे लोगों को खिलाड़ी नजर आते थे।

तभी गाइड ने कहा, ''मैडम इसी कोलोसीयम में ग्लैडीएटरों के खौफनाक करतब भी दिखाए जाते थे।'' मैंने ग्लैडीएटरों के विषय में पढ़ा और सुना था। गाइड बता रहा था कि इसी कोलोसीयम के दरम्यिन मैदान में ग्लैडिएटरों, पेशेवर लड़ाकुओं ने कितने खेल खेले थे। वे एक-दूसरे की जान लेने का खेल खेलते हैं और अक्सर खेल के दौरान एक-दूसरे को जान से मार भी देते थे। दर्शक इस खौफनाक खेल का मजा उठाते। लैटिन भाषा में तलवार को ग्लैडियस कहते हैं इसलिए तलवारों के साथ लडऩे वालों को ग्लैडीएटर कहते थे।

तलवारों के साथ यह लडऩे वाले भालों और दूसरे तेज हथियारों का इस्तेमाल करते। हमारे नौजवान गाइड के पास तो शायद ग्लैडीएटरों के विषय में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं थी लेकिन जब मैंने रोम के शासकों के विषय में जानकारी हासिल की तो मुझे पता चला कि प्राचीन रोम में ग्लैडीएटरों को प्रशिक्षण देने के लिए बाकायदा सरकारी और प्राइवेट संस्थान थे। प्राइवेट संस्थान अपने ग्लैडीएटरों को किराए पर अपनी कारीगरी दिखाने के लिए भेजते। चूंकि इन ग्लैडीएटरों की कोई बीमा स्कीम तो होती नहीं थी इसलिए उनके मर जाने पर हरजाना मिलने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता था। ग्लैडीएटरों को यह कसम दिलाई जाती थी कि वे लड़ते-लड़ते अपनी जान गंवा देंगे।

अगर उन्होंने किसी तरह की कायरता दिखाई तो उन्हें मौत की सजा दी जा सकती थी। कायर ग्लैडीएटरों को भारी यातनाएं भी दी जाती थीं। जब कोई ग्लैडीएटर बहुत गंभीर रूप से जख्मी हो जाता था तो लोगों की भीड़ 'हैवत' का नारा बुलंद करती और वह अपनी उंगली उठाकर दया की भीख मांगता। यह लोगों की मर्जी पर था कि वह उस ग्लैडीएटर को दया की भीख देना भी चाहते थे या नहीं। यदि वे उसकी जान बचाना चाहते थे तो अपने रुमाल हिलाकर ऐसा संकेत देते थे। यदि वे ऐसा नहीं चाहते थे तो अपना अंगूठा नीचे गिरा देते थे।

कहते हैं कि ग्लैडीएटरों के भयानक खेल की प्रथा उत्तरी इटली में एट्रस्कानस से आरंभ हुई थी। पहले इस तरह की लड़ाइयां महत्वपूर्ण लोगों की मृत्यु पर उनके जनाजों के अवसर पर करवाई जाती थीं। यह माना जाता था कि ऐसा करने से मृत लोगों को सम्मान मिलता है। पहली बार ग्लैडीएटरों का खेल ईसा पूर्व 264 में खेला गया। इसके बाद तो यह खेल बहुत लोकप्रिय हो गया।

दुनिया के कुछ बड़े संग्रहकर्त्ता

- कनाडा के जीन-गुए लकारे के पास सांता क्लॉस मैमोरेबिला की 25,104 अलग-अलग चीजें हैं।
- स्विट्जरलैंड के जीन-फ्रैंकोइस वेर्नेट्टी के पास दुनिया के 189 देशों के होटलों के 11,111 अलग-अलग 'डू नॉट डिस्टर्ब' साइन हैं।
- जर्मनी के बेर्न्ड सिकोरा के पास 43 देशों के 1,482 क्रिस्प पैकेट्स हैं।
- अमेरिका के मैनफ्रेड एस. रोथस्टीन के पास 71 देशों के 675 बैक स्क्रैचर (पीठ खुजलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले) का संग्रह है।
- अमेरिका के ही ब्रेंट डिक्सन के पास अलग-अलग 41,418 चाबी के छल्ले हैं।
- चैक रिपब्लिक के लादिस्लाव सेजनोहा के पास 36 देशों की 2 लाख से अधिक टिकटें हैं।
- नीदरलैंड्स के मारिनस वॉन डूर्न के पास 33,492 बोतल ओपनर्स का संग्रह है।
- जर्मनी के मार्कस ड्रैक्सलर के पास 18,179 कॉफी पॉट्स हैं।
- नीदरलैंड्स के नीएक वरमेऊलेन के पास 160 देशों की 1,142 एयरलाइन्स के 6,016 सिकनैस बैग्स हैं।

अंतर ढूंढो

यहां दो चित्र दिए गए हैं, इन दोनों में दस अंतर हैं। आपको वो अंतर कमसे- कम समय में ढूंढने हैं...

कोचिंग सेंटर अब पोचिंग सेंटर बन गए हैं : उपराष्ट्रपति

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने आज कहा, कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैं-एक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। धनखड़ ने आगे कहा, अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा, हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं- एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। धनखड़ ने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री धनखड़ ने कहा, हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम लाने हेतु एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है।

धनखड़ ने अंकों की होड़ के दुष्परिणामों पर चेताते हुए कहा, पूर्णांक और मानकीकरण के प्रति जुनून ने जिज्ञासा को खत्म कर दिया है, जो कि मानव बुद्धिमत्ता का एक स्वाभाविक अंग है। सीटें सीमित हैं लेकिन कोचिंग सेंटर हर जगह फैले हुए हैं। वे वर्षों तक छात्रों के मन को एक ही ढर्रे में ढालते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति अवरुद्ध हो जाती है। इससे कई मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी। डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है। एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है।

युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा। डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

धनखड़ ने शिक्षा को फैक्टरी की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा, हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के विपरीत हैं। यह विकास और प्रगति में बाधाएं उत्पन्न करता है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आँखों की किरकिरी बन गए हैं। अपने उद्बोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने रटंत शिक्षा की संस्कृति की तीव्र आलोचना की: हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिष्कों को केवल अस्थायी जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'ज़ॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है। यह डिग्रियों को गहराई के बिना जोड़ता है। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए.के. भट्ट, निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

चूरू में क्रैश हुए जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स बरामद

चूरू, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू जिले में 9 जुलाई (बुधवार) को क्रैश हुए भारतीय वायुसेना के जगुआर फाइटर जेट का ब्लैक बॉक्स आखिरकार बरामद कर लिया गया है। हादसे के बाद से लगातार चल रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान यह बड़ी सफलता मिली है।

यह जगुआर फाइटर जेट चूरू जिले के भानुदा और सिकराली रोही गांवों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान हादसे के बाद से ही वायु सेना ने व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर रखा था, जिसमें दिल्ली, गुजरात और सूरतगढ़ एयरबेस की टीमें जुटी थीं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और वायुसेना की संयुक्त टीमें मौके पर पहुंची थीं और कोम्बिंग सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। टीम ने जेट के आगे-पीछे के रूट पर बारीकी से सर्च ऑपरेशन चलाया और ब्लैक बॉक्स तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। बता दें कि राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ तहसील में बुधवार दोपहर करीब 1:25 बजे भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया था। इस हादसे में सेना के दोनों पायलट शहीद हो गए थे। जानकारी के अनुसार, यह विमान सूरतगढ़ बेस से उड़ान भरने के बाद भनोदा गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

बता दें, यह इस साल का तीसरा जगुआर विमान हादसा है। इससे पहले, 2 अप्रैल को भी गुजरात के जामनगर के पास भारतीय वायुसेना का जगुआर प्लेन क्रैश हो गया था। वहीं अंबाला के पास 7 मार्च को भी वायुसेना का डीप पेनिट्रेशन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट जगुआर हादसे का शिकार हो गया था।

वायुसेना के बेड़े में करीब 121 जगुआर विमान हैं, जिन्हें 2031 तक चरणबद्ध तरीके से हटाने और उनकी जगह एचएएल तेजस एमके1ए जैसे आधुनिक विमानों को शामिल करने की योजना है। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन और सेना के अधिकारी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

राजस्थान में मानसून ने पकड़ी रफ्तार 24 जिलों में येलो अलर्ट जारी

जयपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है और मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में 15 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, जयपुर, सीकर, भरतपुर, अजमेर, पाली और उदयपुर सहित 24 जिलों में शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश और हरियाणा क्षेत्र में बने दो अलग-अलग वेदर सिस्टम राज्य के मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, मानसून ट्रफ लाइन वर्तमान में सूरतगढ़ और सीकर से होकर गुजर रही है, जिससे वर्षा गतिविधियों में तेजी आई है। मौसम विभाग ने 12 से 14 जुलाई तक कोटा, उदयपुर और अजमेर संभागों में भारी से बहुत भारी बारिश की

भविष्यवाणी की है, जबकि 13 से 15 जुलाई के बीच जोधपुर और बीकानेर संभागों में भी इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी।विभिन्न हिस्सों में 16 और 17 जुलाई को भी मध्यम से भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। शनिवार सुबह 5:30 बजे तक जयपुर में रुक-रुककर फुहारें पड़ती रहीं। वहीं, सीकर के पलसाना क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 60 मिमी वर्षा दर्ज की गई।बारिश के कारण 'बनियों की ढाणी' जाने वाला रास्ता जलमग्न हो गया, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आंधी-तूफान के दौरान सावधानी बरतें। अधिकारियों ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने, पेड़ों के नीचे शरण न लेने और सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को प्लग से हटाने की सलाह दी है। जब तक मौसम पूरी तरह शांत न हो जाए, तब तक बाहर निकलने से बचने को कहा गया है।लगातार हो रही बारिश के चलते राज्य के कई जलाशयों में जलस्तर में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

ईडी ने एमटेक ऑटो और अन्य कंपनियों की करोड़ से अधिक की संपत्ति की जब्त

चंडीगढ़, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मेसर्स एमटेक ऑटो लिमिटेड, मेसर्स एआरजी लिमिटेड, मेसर्स एसीआईएल लिमिटेड, मेसर्स मेटलस्ट फोर्जिंग लिमिटेड और मेसर्स कास्टेक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रमोटर अरविंद धाम और अन्य से संबंधित 588.57 करोड़ की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की हैं। यह कार्रवाई 10 जुलाई 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। ईडी के गुरुग्राम जोनल कार्यालय द्वारा की गई इस कुर्की में कई प्रकार की चल और अचल संपत्तियां शामिल हैं। अचल संपत्तियों में हरियाणा के यमुनानगर में हुंडेवाला, रतौली और कंसापुर में स्थित 28 एकड़ जमीन और पंचकूला के कोट और खंगेसरा गांवों में स्थित 67.5 एकड़ जमीन शामिल है। इसके अलावा, दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में स्थित अन्य संपत्तियों को भी जब्त किया गया है। चल संपत्तियों में 8.70 करोड़ की सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) और 14.6 करोड़ के शेयर भी शामिल हैं। यह कार्रवाई एमटेक ग्रुप की कंपनियों द्वारा बैंकों के साथ की गई धोखाधड़ी से संबंधित है।ईडी ने इस मामले में अभी तक कुल 6,261.37 करोड़ (लगभग) की संपत्तियां कुर्क कर ली हैं, जो इस धोखाधड़ी की गंभीरता को दर्शाती है।

हरियाणा की जेलों में बैठकर अपराधी चलाते हैं गैंग : बजरंग गर्ग

हिसार, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने हरियाणा की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। व्यापारी और उद्योगपतियों से बातचीत के बाद जारी एक बयान में गर्ग ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है और आम जनता के साथ-साथ व्यापारी वर्ग भी अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर भयभीत है। बजरंग गर्ग ने आरोप लगाया कि अपराधी अब जेलों और विदेशों में बैठकर व्यापारियों और उद्योगपतियों से बेखौफ होकर फिरौती और मंथली की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में ऐसा कोई दिन नहीं जाता, जब फिरौती, हत्या और मंथली की वारदातें न होती हों। गर्ग के अनुसार, हरियाणा सरकार इन अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने प्रदेश में खुलेआम फल-फूल रहे नशे के व्यापार पर भी चिंता व्यक्त की। बजरंग गर्ग ने कहा कि कॉलेजों के अंदर और बाहर नशा आसानी से बिक रहा है, और सरकार की नशा मुक्ति की बातें सिर्फ खोखले वादे साबित हुई हैं।

बजरग गर्ग ने सरकारी ठेकों में अपराधियों के बढ़ते दबदबे का भी जिक्र किया।

गुरुग्राम में जलभराव से हुई मौतों पर अनिल विज ने जताया दुख

गुरुग्राम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार में मंत्री अनिल विज ने गुरुग्राम में जलभराव के कारण 8-9 लोगों की मौत को बेहद दुखद बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह स्थिति शहर की पुरानी योजना और अव्यवस्था के कारण हुई है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब गुरुग्राम शहर बसाया गया, तब कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उस समय नालियों और सड़कों की सही योजना नहीं बनाई गई। अब शहर बनने के बाद उसे तोड़कर सुधार करना आसान नहीं है, फिर भी पूर्व सीएम मनोहर लाल ने 10 साल में सुधार करने की कोशिश की। ये मौतें बहुत दुखद हैं और हमारी सरकार इसे गंभीरता से लेकर सुधार के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस एक्स पोस्ट पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को गरीब किसानों से पैसा लेकर अरबपतियों की जेब भरने वाला बताया था। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह राहुल गांधी के समय की बात नहीं है, जब उनकी सरकार में एक रुपए भेजने पर सिर्फ 15 पैसे लोगों तक पहुंचते थे और 85 पैसे सिस्टम खा जाता था।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल कम करें : नायब सैनी

कैथल, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कैथल के गांव प्यौदा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सर्वप्रथम इस योजना के लाभार्थी के घर की छत पर लगे सोलर रूफटॉप सिस्टम को देखा और इसके लाभ के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में इस योजना की शुरूआत भी कैथल जिले से ही हुई थी और आज उन्होंने स्वयं लाभार्थी के घर पर इस सोलर सिस्टम को देखा है। सोलर सिस्टम से जहां एक ओर हमें ग्रीन ऊर्जा मिलती है, वहीं लोगों को बिजली के बिलों में भी बड़ी राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं और अपने बिजली बिल को कम से

कम करें।

इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1 लाख घरों की छतों पर मुफ्त में 2 किलोवाट के सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा है। यह सिस्टम अंत्योदय परिवारों के घरों की छतों पर लगाया जा रहा है। जैसे ही 1 लाख परिवारों का लक्ष्य पूरा होगा, अगले 1 लाख और परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक 26 हजार परिवार इस योजना का लाभ ले चुके हैं। कैथल में अभी तक 1707 परिवारों ने योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगवाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, उन परिवारों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार सोलर सिस्टम लगवाने पर सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों को भारी-भरकम बिलों से निजात मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से यह योजना शुरू हुई और इस तरह का सिस्टम खड़ा हुआ। उन्होंने योजना का लाभ लेने वाले समस्त लाभार्थियों को बधाई दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज प्रदेश के साढ़े 6 हजार गांवों में से 5800 से ज्यादा गांवों को म्हारा गांव जगमग गांव योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली मिल रही है।

उन्होंने बचे हुए शेष गांवों को भी इस योजना के अंतर्गत लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले सरकार बिजली बिलों पर अपनी मर्जी से सरचार्ज लगाती थी, जिससे उपभोक्ता का बिजली बिल ज्यादा आता था, लेकिन हमने सरचार्ज को माफ करके उपभोक्ताओं को राहत देने का काम किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आप-को दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आ-कर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जुलाई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 01:05 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 06:54 तक
योग : प्रीति सायं 06:00 तक
करण : वणिज दोपहर 01:29 तक
चन्द्रराशि : मकर सायं 06:54 तक
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक सायं 06:54 से , भद्रा दोपहर 01:28 से रात्रि 01:03 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

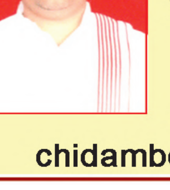

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज का 350वां शहीदी वर्ष

अवैध धर्मांतरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: योगी

- अवैध धर्मांतरण देश व समाज के खिलाफ गहरी साजिश
- श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा का फूलों से स्वागत-सम्मान

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ पूरी सख्ती से कार्रवाई कर रही है। कुछ ताकतें योजनाबद्ध तरीके से देश के स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रही हैं। यह समाज को तोड़ने और धार्मिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की साजिश है। ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह देश और समाज के खिलाफ गहरी साजिश है। अनुसूचित जाति के लोगों को लालच और भय के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो संविधान और सामाजिक समरसता के खिलाफ है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा के दौरान कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी वर्ष को समर्पित श्री तेग बहादुर संदेश यात्रा का सरकारी आवास पर स्वागत और सम्मान किया।

इस दौरान सीएम ने संदेश यात्रा का फूल बरसाकर स्वागत किया। यहीं से संदेश यात्रा का शुभारंभ हुआ। संदेश यात्रा लखनऊ से चलकर कानपुर, इटावा, आगरा होकर दिल्ली के चांदनी चौक और शीशगंज गुरुद्वारा तक जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में कहा कि प्रदेश सरकार अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने के लिए विदेशों से धन राशि प्राप्त करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया। इस कार्रवाई में अवैध धर्मांतरण के लिए रेट तय करने के मामले को उजागर किया गया और अब तक 40 खातों में 100 करोड़ से अधिक का लेन-देन पाया गया है। यह आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है। सीएम योगी ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से दिल्ली तक एक संदेश यात्रा शुरू की गई। इस यात्रा का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर जी महाराज की शहादत को याद करना था, जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपनी जान दी थी। यात्रा दिल्ली के उस ऐतिहासिक गुरुद्वारे तक जाएगी, जहां गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया था।

सीएम योगी ने कहा कि यात्रा के माध्यम से 350 वर्षों के शहीदी इतिहास को जीवंत किया जा रहा है, जिसमें उस समय के कठिन कालखंड की याद दिलाई जा रही है जब औरंगजेब जैसे अत्याचारी शासक का शासन था। शासक का उद्देश्य था सनातन धर्म को समाप्त करना और इस्लामिक धर्म को बढ़ावा देना। गुरु तेग बहादुर जी ने इस चुनौती का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी, लेकिन अपने पथ से कभी विचलित नहीं हुए। उन्होंने अपने बलिदान से आने वाली पीढ़ियों को एक प्रेरणा दी। यह पूरी यात्रा शहादत और बलिदान की परंपरा की नींव पर खड़ी है। जब हम इस शहीदी दिवस के आयोजन को देखते हैं, तो हमें उन संघर्षों और बलिदानों की याद आती है जिनके कारण आज हम स्वतंत्र और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सिख गुरुओं ने जिस बलिदान और त्याग की परंपरा की नींव रखी थी, उसे हमें आज भी जीवंत बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिंदू और सिखों के बीच फूट डालने के प्रयास कभी भी होते रहेंगे, लेकिन हमें सतर्क रहना होगा और इन साजिशों को नाकाम करना होगा। उन्होंने कहा कि शहीदी दिवस कार्यक्रम हमें यह प्रेरणा देता है कि हम सिख गुरुओं के बलिदान और शहादत की परंपरा को बनाए रखें और इसे वर्तमान समय के अनुसार अपनी रणनीतियों में ढालें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज में कोई भी जाति, धर्म, वर्ग अपनी संस्कृति और धर्म को छोड़ने के लिए दबाव में न आएं। सीएम ने 550 वें प्रकाश पर्व और बाल दिवस के अवसर पर होने वाले आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब ये कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर मनाए जाते हैं।

आईएसआई के मिशन आबाद से छांगुर गिरोह का सीधा लिंक

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाने का गिरोह चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा छांगुर ने अवैध धर्मांतरण का पूरा नेटवर्क बना रखा था। छांगुर के संबंध नेपाल सीमा से सटे 7 जिलों में सक्रिय कुछ ईसाई मिशनरियों से भी थे। इन मिशनरियों के लोगों को छांगुर पैसे देता था। बदले में वालंटियर छांगुर को गरीब और कमजोर परिवारों की जानकारी देते थे।

एंटी-टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) की गिरफ्त में आए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के मंसूबे बहुत खतरनाक थे। जांच में पता चला है कि छांगुर अवैध धर्मांतरण के लिए ईसाई मिशनरियों की मदद लेता था। इसके अलावा छांगुर के आईएसआई कनेक्शन भी सामने आए है। एटीएस के अनुसार, छांगुर ने अवैध धर्मांतरण के लिए एक पूरा नेटवर्क बना रखा था। छांगुर के संबंध नेपाल सीमा से सटे 7 जिलों में सक्रिय कुछ ईसाई मिशनरियों से थे। इन मिशनरियों के वालंटियरों को छांगुर पैसे देता था। बदले में वालंटियर छांगुर को गरीब और कमजोर परिवारों की जानकारी देते थे।

छांगुर फिर इन परिवारों को निशाना बनाकर और उन्हें आर्थिक मदद देकर अपने प्रभाव में लेता था। इसके बाद वह उनका धर्म परिवर्तन करवाता था। इस धर्मांतरण में होने वाले खर्च का पूरा हिसाब नसरीन (नीतू) रखती थी, जो कथित तौर पर छांगुर की पत्नी है। छांगुर पुलिस और स्थानीय प्रशासन को मैनेज करता था ताकि काम चलता रहे।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, देवीपाटन मंडल में मिशनरियों ने एक मजबूत नेटवर्क बनाया था। मिशनरियों ने हर वर्ग के लिए अलग-अलग प्रचारक नियुक्त किए थे। प्रचारक, पास्टर और पादरी इस नेटवर्क की मुख्य कड़ी थे। मिशनरियों के इन नेटवर्क के पास दलित, वंचित, बीमार और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पूरी जानकारी होती थी। छांगुर समय-समय पर पैसे देकर यह जानकारी लेता था। फिर वह इन परिवारों को धर्मांतरण के लिए राजी करता था। जानकारी के अनुसार, छांगुर का संबंध कई अन्य संगठनों से भी रहा है। जांच में पता चला है कि उसका जुड़ाव सऊदी अरब इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक, मुस्लिम वर्ल्ड लीग, दावत-ए-इस्लाम और इस्लामिक संघ ऑफ नेपाल जैसे संगठनों से था।

खुफिया एजेंसियों के अनुसार, छांगुर मिशन आबाद का हिस्सा था। धर्मांतरण के बदले छांगुर को विदेश से पैसा मिलता था। इसकी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भी भेजी गई थी। अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई हो रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि छांगुर के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कनेक्शन थे। छांगुर हाल ही में काठमांडू में हुए एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था। यह कार्यक्रम काठमांडू स्थित पाकिस्तान दूतावास में हुआ था। इसमें पाकिस्तान की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी और आईएसआई के अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के बाद पाकिस्तानी दल ने भारत सीमा का दौरा किया था। छांगुर ने तब आईएसआई के साथ कनेक्शन में आया।

छांगुर खुद का और नसरीन का उदाहरण देकर हिंदू परिवारों को धर्मांतरण के लिए राजी करवाता था। छांगुर बताता था कि वे दोनों पहले सिंधी थे। इस्लाम कबूल करने के बाद उनकी जिंदगी में बदलाव आया। छांगुर लोगों को दिखाता था कि अब उनके पास पैसे, आलीशान घर और महंगी गाड़ियां हैं। छांगुर दावा करता था कि अगर वे भी इस्लाम अपना लेंगे तो उनकी भी जिंदगी में बदलाव आएगा।

धर्मांतरण गिरोह से जुड़ा था मदरसा, प्रशासन ने सील किया

श्रावस्ती, 12 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर की जांच में श्रावस्ती के इकौना स्थित एक मदरसे का लिंक पाया गया है। मदरसा चलाने वाले सैयद सिराजुद्दीन हाशमी और छांगुर बाबा के गहरे लिंक पाए गए हैं। पुलिस यह जांच कर रही है कि धर्मांतरण के कुकृत्य मदरसा किस तरह शामिल था। जांच के दौरान टीम ने मदरसे की तलाशी ली और मदरसा सील कर दस्तावेज अपने साथ ले गई।

हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन, लव जेहाद और देश विरोधी गतिविधियों के आरोपी बलरामपुर के उतरौला निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले की जांच अब श्रावस्ती के इकौना तक पहुंच गई है। पुलिस टीम शनिवार को इकौना देहात के रहमान पुरवा स्थित जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा पहुंची। एडीएम के नेतृत्व में पहुंची टीम मदरसा सील करके वहां रखे अभिलेख अपने साथ ले गई।

गुजरात के वडोदरा जिले के धोबोई निवासी सैयद सिराजुद्दीन हाशमी ने इकौना देहात के रहमान पुरवा में 2019 में जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा बनवाया था। इस आवासीय बालिका मदरसे में 300 छात्राएं रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही थीं। जबकि, इसकी मान्यता भी नहीं थी। बाद में उसने मदरसे के बगल में करीब दो बीघा भूमि और खरीदी। उस पर भवन निर्माण शुरू कराया था। एक मई को एसडीएम की जांच में मदरसा संचालन से संबंधित अभिलेख नहीं मिले।

इसके बाद तीन मई को डीएम के निर्देश पर मदरसे को सील कर दिया गया था। इसमें सैयद सिराजुद्दीन हाशमी का आवास होने के कारण आवासीय परिसर को बाद में खोल दिया गया। हालांकि, मदरसा सील था। अब छांगुर मामले में नाम आने के बाद शनिवार को एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसडीएम ओम प्रकाश, सीओ भिनगा सतीश शर्मा, नायब तहसीलदार अमरेश कुमार, एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव व एसओ अखिलेश पांडेय की टीम मदरसा पहुंची। इस दौरान वहां रखे अभिलेख टीम अपने साथ ले गई।

सैयद सिराजुद्दीन हाशमी की ससुराल बलरामपुर के उतरौला में है। वहां आने-जाने के दौरान वह छांगुर के संपर्क में आया। इसके बाद उसका उतरौला आना-जाना बढ़ गया। ऐसे में सैयद सिराजुद्दीन हाशमी व छांगुर के मध्य क्या कनेक्शन है? टीम इसे तलाशने में जुटी है। छापेमारी के दौरान इसके तीन बैंक खातों का खुलासा हुआ। इनमें एक स्थानीय व दो गुजरात के हैं। इनकी जांच बैंक व ट्रेजरी के अधिकारियों से कराई जाएगी।

डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मदरसे से मिले अभिलेख उर्दू में हैं। पहले उनका अनुवाद कराया जाएगा। इसके बाद इसकी जांच की जाएगी। साथ ही मदरसे में शिक्षणरत छात्राएं कहां से आई थीं?

मौजूदा समय में कहां हैं? इसकी भी जांच कराई जाएगी। उतरौला आने जाने के इसके उद्देश्य, मदरसा निर्माण के लिए पैसा कहां से आया? कहीं किसी अन्य गतिविधि में भी इसकी भी संलिप्तता तो नहीं है। इसकी भी जांच कराई जाएगी।

आर्थिक सलाहकार समूह से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्थिक सलाहकार समूह के सुझावों पर कार्रवाई जरूरी: योगी

जल्द ही काम शुरू कर देगा उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शनिवार को नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास एवं छवि निर्माण हेतु नियोजन विभाग के अंतर्गत नवगठित आर्थिक सलाहकार समूह ने मुलाकात की। इस समूह में कृषि, शिक्षा, सेमी कंडक्टर, एमएसएमई, स्टार्टअप जैसे अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे देश के विषय विशेषज्ञ शामिल थे। इस दौरान समूह ने मुख्यमंत्री योगी को अपने कुछ सुझाव दिए। वहीं मुख्यमंत्री योगी ने समूह को संबोधित करते हुए कि समूह की तरफ से प्राप्त सुझाव स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में अग्रसर है। इसके लिए प्रदेश के सभी विभाग मिलकर तेज़ गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सलाहकार समूह से प्राप्त होने वाले सुझावों का तय समय पर क्रियान्वयन आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन कर चुकी है, जो जल्द ही कार्य करना शुरू कर देगी। इस मिशन के तहत जॉब मैपिंग कर विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रदेश के युवाओं का कौशल विकास, भाषा प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से राज्य में स्वच्छ, टिकाऊ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल के निर्माण में उत्तर प्रदेश निकट भविष्य में हब बनेगा। बहुत ही जल्द उत्तर प्रदेश में स्थापित हिंदुजा ग्रुप की यूनिट इलेक्ट्रिक व्हीकल का प्रोडक्शन शुरू कर देगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में जहां किसानों को 8-10 घंटे बिजली मिल रही है, वहीं उत्तर प्रदेश में आज किसानों को 15-16 घंटे बिजली मिल रही है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों को पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 1 लाख सोलर पैनल उपलब्ध करा रही है। सरकार ने नलकूपों के सोलराइजेशन (सौर ऊर्जा से संचालन) को मिशन मोड में लागू किया है। उत्तर प्रदेश निजी पंप सोलराइजेशन में देश में अग्रणी है। इससे किसानों को कम लागत में बिजली उपलब्ध हो रही है और राज्य का विद्युत उत्पादन भी बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन अच्छा है। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानपुर से 8 हजार मेगावाट के पावर प्लांट का उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में भी उत्तर प्रदेश ने सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके माध्यम से वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश 22 हजार मेगावॉट का उत्पादन शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश का रोल मॉडल बनेगा और सरकार की नीतियां प्रदेश को हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विगत आठ वर्ष में प्रदेश के किसानों के हित में बहुत सारे कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 1 दर्जन सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराकर नहरों के माध्यम से 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा प्रदान की गई है। शारदा नहर का पानी पहली बार वाराणसी पहुंचा है। आज बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के किसान एक वर्ष तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मूंग दाल, मूंगफली और मक्का की खरीद के लिए प्रोक्योरमेंट केंद्र बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1996 से 2017 तक गन्ना किसानों को जितना भुगतान किया गया था, विगत आठ वर्ष में उससे 70 हजार करोड़ ज्यादा यानी 2 लाख 85 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में हर साल मात्र 500 फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन होता था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं, अब लगभग 4 हजार फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन प्रति वर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण में उत्तर प्रदेश ने काफी प्रगति की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिसका प्रदेश के पशु पालकों को लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लैंड लॉक्ड स्टेट होने बाद भी उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में है।

यूपी में कांवड़ यात्रा की पुख्ता तैयारी पूरी

50 हजार सुरक्षाकर्मी और 29 हजार सीसीटीवी

लखनऊ, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा के दौरान यूपी में सुरक्षा और निगरानी के लिए कमर कस ली गई है। कांवड़ियों की सुरक्षा के साथ कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए पूरे रास्ते में 29,454 सीसीटीवी कैमरों के साथ 50,000 से भी अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है।

इस व्यवस्था के तहत उत्तर प्रदेश में एंटी-ड्रोन और टेथर्ड ड्रोन समेत 395 उच्च तकनीक वाले ड्रोन पुलिस मुख्यालय को लाइव फीड दे रहे हैं। इसके साथ ही एक आधुनिक मॉनिटरिंग और कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसमें 24 घंटे यात्रा और शिव मंदिरों की निगरानी की जा रही है। अफवाह फैलाने वाले या सोशल मीडिया पर भ्रामक या संवेदनशील पोस्ट डालने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में पीएसी की 50 कंपनियां, 1424 होमगार्ड, पुलिस और अर्धसैनिक बलों से 2040 इंस्पेक्टर, 13,520 सब-इंस्पेक्टर, 587 राजपत्रित अधिकारी और 39,965 कांस्टेबल तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। इसमें यूपी के साथ उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारी शामिल हैं।

चित्रकूट में बाढ़ में डूबा, टूटा 20 साल का रिकॉर्ड

पुल के ऊपर से बह रही मंदाकिनी

चित्रकूट, 12 जुलाई (एजेंसियां)। लगातार 12 घंटे की जोरदार बारिश के कारण चित्रकूट और आसपास का क्षेत्र बाढ़ में डूब गया है। मंदाकिनी और मानिकपुर की बरदहा नदी उफान पर है। दोनों नदियां खतरे के निशान के पार बह रही हैं। मंदाकिनी में 2004 के बाद इतना उफान एक बार फिर से देखने को मिला। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। मानिकपुर के नाले में बहने से एक ग्रामीण की मौत हो गई। मंदाकिनी के किनारे फंसे 30 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला गया।

मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान 126.5 मीटर को भी पार कर गया है। 25 छोटे मंदिर और 100 से अधिक दुकानों में पानी भर गया है। कई इलाकों में बड़े पैमाने पर जलभराव होने से सड़क पर नाव चल रही है। बरदहा नदी में बाढ़ आने से रपटे में पानी भर जाने से 10 से अधिक गांवों से संपर्क कट गया है। कल्याणपुर के पुल का एप्रोच मार्ग भी भारी बारिश के चलते बह गया है। धवइया नाला ऊफनाने से छह गांव का संपर्क कटा गया है। शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार की सुबह दस बजे तक लगातार बारिश से मंदाकिनी व बरदहा नदी समेत क्षेत्र के 10 छोटे बड़े नाले ऊफना गए। लगभग 20 किमी के दायरे में बाढ का असर देखने को मिल रहा है। मानिकपुर के बेलहा नाले में बेलहा निवासी राजकिशोर बह गया। लगभग 100 मीटर दूर जाकर ग्रामीणों ने उनका शव नाले से निकाला। कल्यापुर गांव में बने नये पुल के दोनों ओर के एप्रोच मार्ग बह गए हैं। इसके चलते यहां लगभग 20 फीट का गडढा हो गया है। कई गांव की बस्ती में पानी भरा हुआ है। लोग छतों पर शरण लिए हुए हैं।

सावन माह होने से रामघाट से लेकर मंदाकिनी किनारे 30 से अधिक श्रद्धालु बाढ़ में फंस गए। उन्हें बाद में पुलिस की मदद से रेस्क्यू कर निकाला गया। जानकारी होते ही मंडलायुक्त अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच यहां के सभी पुल पर आवागमन पर रोक लगाने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। नदी के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

पुलों और सड़कों पर आवागमन बंद होने के बाद इन इलाकों में आने जाने के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है। इन्हीं नावों से नयागांव प्रमोदवन व जानकीकुंड में फंसे 30 श्रद्धालुओं को भी निकाला गया। रामघाट के बाहर बनी प्रमुख सड़क (जो यूपी-व एमपी सीमा को मिलाती है) पर पानी भर जाने से आवागमन बंद कर दिया गया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

छोड़ आए लाल गलियारा

एक करोड़ 18 लाख के 23 इनामी नक्सलियों का आत्मसमर्पण

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में नौ महिलाएं भी शामिल

सुकमा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीति रंग ला रही है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कलेक्टर एलेक्सपाल मेनन के अपहरण में शामिल नक्सली समेत कुल 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सरेंडर करने वाले माओवादियों में आठ हार्डकोर इनामी नक्सली शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल एक करोड़ 18 लाख रुपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली हैं। ये सभी डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया जैसे सक्रिय संगठनों से जुड़े थे। पुनर्वास नीति और नियाद नैलानार जैसी योजनाओं से प्रभावित होकर नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इस कार्रवाई में जिला पुलिस बल, सीआरपीएफ, एसटीएफ और कोबरा बटालियन समेत कई एजेंसियों की बड़ी भूमिका रही। यह सुकमा में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से अब तक हुई 205 मुठभेड़ों में 427 नक्सली मारे गए हैं। मारे गए नक्सलियों में सवा तीन करोड़ के इनामी नक्सली बसवराजू, एक करोड़ की इनामी नक्सली सुधाकर और कई राज्यों में एक करोड़ से ज्यादा के इनामी नक्सली भास्कर भी शामिल है। पिछले डेढ़ साल में 1 हजार 428 नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में हुई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा था, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल-वाद से मुक्त कर के रहेंगे। शाह ने कहा था कि बिहार, झारखंड और ओड़ीशा काफी हद तक नक्सलवाद से मुक्त हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भी पिछले दिनों भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया था और 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सल-वाद समाप्त करने का संकल्प दोहराया था।

दिल्ली में इमारत गिरने से दो लोगों की मौत, आठ घायल

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार को एक इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य घायल हो गये।

उत्तर पूर्वी जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया की वेलकम थाने की पुलिस को एक चार मंजिला इमारत गिरने की सूचना मिली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दमकल कर्मी और अन्य एजेंसी के कर्मी मौके पर पहुंचे। घटना स्थल से आठ घायल लोगों को निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इनमें से सात लोगों को जेपीसी अस्पताल में जबकि एक को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने कहा कि इस हादसे में मारे गये लोगों की पहचान मतलूब (50) और उसकी पत्नी राबिया (46) के रूप में हुई है। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक राहत बचाव अभियान जारी था। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही।

रेखा गुप्ता ने जिलाधिकारी से इमारत ढहने की रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में इमारत गिरने को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए जिलाधिकारी से रिपोर्ट तलब की है। श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स कहा, सीलमपुर में एक दुर्भाग्यपूर्ण इमारत ढहने की खबर मिली है। जैसा कि जानकारी मिली है, चार लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए निकटतम अस्पताल ले जाया गया है। यह अत्यंत दुखद है कि इस घटना में दो अनमोल जानें चली गईं। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, जिलाधिकारी को घटना पर रिपोर्ट देने को कहा गया है। दिल्ली पुलिस, दिल्ली अग्निशमन सेवा, एनडीआरएफ और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। उल्लेखनीय है कि उत्तर पूर्वी जिले के वेलकम इलाके में आज एक इमारत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ लोगों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

पहले भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का होगा चयन

दिल्ली और यूपी के प्रदेश अध्यक्षों का बाद में होगा ऐलान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के करीब है।

चुनाव की पात्रता प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद ही होंगे।

पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा के बाद, भाजपा दो महत्वपूर्ण राज्यों, दिल्ली और उत्तर प्रदेश, में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करेगी।

दोनों राज्यों का राजनीतिक महत्व बहुत ज़्यादा है। दिल्ली में, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। यह अभी अनिश्चित है कि सचदेवा को दूसरा कार्यकाल दिया जाएगा या पार्टी दिल्ली इकाई का नेतृत्व किसी नए चेहरे को सौंपेगी। उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की उम्मीद है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट नेता और वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो रहा था। हालाँकि, उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव तक विस्तार दिया गया था।

हाल के चुनावों में राज्य में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए नेतृत्व परिवर्तन की संभावना बढ़ गई है। अधिकांश राज्यों में संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कई अन्य राज्यों में हाल ही में नए राज्य इकाई प्रमुखों की नियुक्ति की गई है। बिहार, सिक्किम, गोवा और असम जैसे अन्य प्रमुख राज्यों में नए अध्यक्ष पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं। शेष राज्यों में भी यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है।

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर नितिन गडकरी ने जताई चिंता

नागपुर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राजनीति, प्रशासनिक व्यवस्था और व्यक्तिगत जीवन में विनम्रता की अहमियत को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सत्ता, संपत्ति, ज्ञान और सौंदर्य जैसी चीजें अक्सर व्यक्ति में अहंकार पैदा कर देती हैं। जब यह अहंकार बढ़ता है, तो व्यक्ति सोचता है कि वह सबसे समझदार है और वही सोच दूसरों पर थोपने लगता है, लेकिन इस रवैये से कोई बड़ा नहीं बनता।

गडकरी ने एक निजी अनुभव साझा करते हुए फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन की विनम्रता की तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं एक कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन के साथ मंच पर बैठा था। तभी एक छोटा लड़का और लड़की मंच पर आए। अमिताभ बच्चन तुरंत खड़े हो गए और हाथ जोड़कर उन्हें मंच पर बुलाया। मैं बैठा रहा, लेकिन कुछ क्षण बाद संकोचवश खड़ा हुआ। उस वक्त मुझे महसूस हुआ कि इतने बड़े अभिनेता की यह विनम्रता कितनी प्रेरणादायक है।

गडकरी ने अपने हालिया लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि उन्होंने तय किया था कि इस बार वह कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाएंगे, न ही किसी को भोज पर बुलाएंगे और न ही जातिवादी राजनीति का सहारा लेंगे। उन्होंने कहा, जिसे वोट देना है, दे; नहीं देना है, न दे। मैं अपने सिद्धांतों के साथ चुनाव लड़ा। जनता का फैसला ही सबसे अहम होता है।

गडकरी ने शिक्षा व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा, यहां टीचर्स को अप्रूवल के लिए पैसे देने पड़ते हैं। अपॉइंटमेंट के लिए भी पैसे मांगे जाते हैं। मैं जानता हूं कि शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी क्या-क्या करते हैं। इसलिए तो ऐसे लोग जेल भी जाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कार्यक्षमता और दृष्टिकोण पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, लोग पूछते हैं कि इतनी समस्याओं के बावजूद सड़कें कैसे बनती हैं? मैं उन्हें बताता हूं कि कुछ लोग समस्याओं को अवसर में बदल देते हैं, जबकि कुछ लोग अवसर को समस्या में बदल देते हैं। जब तुम्हें नौकरी मिली है, तो यह तुम्हारी परीक्षा है। सोचो कि गधे को घोड़ा कैसे बना सकते हो, यह मत सोचो कि वह गधा ही है और नहीं सुधर सकता- क्योंकि उसी को सुधारने के लिए तो तुम्हें बुलाया गया है।

फेंसिंग और लोहे की ग्रिल भी नहीं रोक पाई हिमलिंग की पिघलन

तो गुफा को क्यों नहीं करते वातानुकूलित?

एसी लगाने का प्रस्ताव श्राइन बोर्ड ने ठंडे बस्ते में रख दिया

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 जुलाई (ब्यूरो)। इस बार भी अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के सारे उपाय धरे के धरे रह गए। जिस लोहे और शीशे की ग्रिल का सहारा लेकर हिमलिंग को बचाने की कोशिश की गई थी, वह उसे पिघलने से बचा नहीं पाया। 22 फुट का हिमलिंग पिघल कर अब अंतर्ध्यान हो चुका है। भक्तों की सांसों की गर्मी के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग के कारण ऐसा हुआ। इससे निपटने का तरीका अब अत्याधुनिक तकनीक ही है, पर श्राइन बोर्ड फिलहाल तकनीक का सहारा नहीं ले रहा है।

अमरनाथ गुफा को तकनीक के सहारे ठंडा और वातानुकूलित बनाने की योजना श्राइन बोर्ड ने उसी समय तैयार की थी जब वह अस्तित्व में आया था। लेकिन यह मामला कई साल तक कोर्ट में रहा जिस कारण श्राइन बोर्ड इस संबंध में कोई कदम उठाने से परहेज कर रहा है। श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि गुफा को पूरी तरह से वातानुकूलित करने के लिए आइस स्केटिंग रिंक तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना है। इसी के तहत कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार किया गया था जिनमें एयर कर्टन, रेडियंटस कूलिंग पैनलस और अन्य आधुनिक तरीके इस्तेमाल करने का था।

इनमें से कई तकनीकों का सफल प्रयोग मुंबई, श्रीनगर तथा गुलमर्ग में कर लिया गया था लेकिन अमरनाथ गुफा में इनका प्रयोग करने से पूर्व ही अदालत ने इन तैयारियों पर रोक लगा दी। उस समय गुफा में कृत्रिम हिमलिंग बनाने की अफवाह फैला दी गई थी। हालांकि श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को रेडियंट कूलिंग पेनलस का विकल्प बहुत ही जायज लगा था लेकिन हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दिए जाने के कारण मामला अंतिम चरण में जाकर रुक गया था।

अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका रहती है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलने लगता है। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे। साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे।

साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था। उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। इस बार कश्मीर को 37 डिग्री सहन करना पड़ा है।

2018 में भी बाबा बर्फानी के तेजी से पिघलने का सिलसिला जारी था। इस बार 3 जुलाई से शुरू हुई 38 दिवसीय इस यात्रा में एक सप्ताह में ही पौने दो लाख यात्रियों ने दर्शन किए हैं। 7 दिनों के बाद ही दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के साक्षात दर्शन नहीं हुए क्योंकि बाबा दर्शन देने से पहले ही अंतरध्यान हो गए हैं।

अमरनाथ यात्रा में बीएसएफ की भूमिका भी सराहनीय

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कश्मीर में चल रही अमरनाथ यात्रा के दौरान ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों, निर्जलीकरण और थकावट से पीड़ित दर्जनों तीर्थयात्रियों को बचाया है। बीएसएफ बचाव और राहत दल को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चुनौतीपूर्ण पहलगाम और बालटाल मार्गों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। ये दल हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षाबल ने प्रशिक्षित पैरामेडिक्स और विशेष चिकित्सा दलों को तैनात करके अपने बचाव अभियान को तेज कर दिया है।

हमारी टीमें हर यात्री की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करते हुए हाई अलर्ट पर हैं। हम अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीएसएफ की चिकित्सा टीमें 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम-चंदनवाड़ी मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-दोमेल मार्ग पर प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं।

प्राथमिक चिकित्सा किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और आ-पातकालीन चिकित्सा आपूर्ति से लैस, इन टीमों ने तीव्र पर्वतीय बीमारी के कई मामलों में महत्वपूर्ण ऑक्सीजन सहायता प्रदान की है, जिससे गंभीर जटिलताओं को रोका जा सका है और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी संभव हुई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया बांग्लादेशी

शारजाह से फर्जी भारतीय पासपोर्ट से पहुंचा था

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी घुसपैठिया मोनिर अहमद को फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ लिया गया। इमिग्रेशन में पासपोर्ट की जांच हुई तो उसके पासपोर्ट पर रिवोक्ड का पॉपअप आया। इसके बाद जांच में पता चला कि वह बांग्लादेशी है और उसने धोखे से भारतीय दस्तावेज बनवाए थे।

मोनिर अहमद को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू की गई। वह मूल रूप से बांग्लादेश के बांदरबान का रहने वाला है। मोनिर ने कबूल किया कि वह भारत आकर जाली जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि बनवाकर भारतीय पासपोर्ट हासिल करने में सफल रहा। तलाशी में मोनिर और उसकी मां नूरजहां का बांग्लादेशी पहचान पत्र भी मिला। आरोपी को फारनर्स एक्ट, पासपोर्ट एक्ट और बीएनएस के तहत केस दर्ज कर एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों को गिरफ्तार कर हथियार बरामद किए

इंफाल, 12 जुलाई (एजेंसियां) सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान के दौरान शुक्रवार को उग्रवादियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किये हैं।

पुलिस ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्वी जिले के मफौ डैम पुलिस थाने के अंतर्गत इथम गांव से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। बरामद किए गए सामान में एक 12-बोर एकल बैरल गन, दो राउंड .32 कैलिबर गोला-बारूद, दो हैंड ग्रेनेड, एक पिस्तौल के साथ मैगज़ीन, एक कारतूस, दो ट्यूब लॉन्चर, एक चार्जर के साथ वायरलेस सेट, और दो डिटोनेटर शामिल हैं।

इंफाल पश्चिम जिले के सेकमाई थाना क्षेत्र के महाराबी से एक प्रतिबंधित भूमिगत संगठन के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया गया है।

संदिग्ध के पास से पहचान संबंधी दस्तावेजों वाला एक पर्स मिला। अधिकारियों ने पुष्टि किया है कि संदिग्ध ने म्यांमार में 45 दिनों का सैन्य प्रशिक्षण लिया था और वह प्रतिबंधित समूह के लिए इस क्षेत्र में काम कर रहा था। इसके अलावा, काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के उमाथेल इलाके से एक अन्य प्रतिबंधित समूह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। दोनों उसी इलाके के निवासी हैं और उनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।

सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्वी जिले के इथम पुल के पास मोइरंगपुरेल खुनोउ से एक अन्य भूमिगत संगठन के एक और सक्रिय कार्यकर्ता को पकड़ा है। संदिग्ध के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया है।

बाद में एक प्रतिबंधित संगठन के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया जो कथित तौर पर नागरिकों, दुकानदारों और बैंक कर्मचारियों के खिलाफ जबरन वसूली और धमकी देने में शामिल थे।

मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के कंगलाटोम्बी बाजार से अवैध हथियार और गोला-बारूद रखने के आरोप में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। संदिग्ध के पास से एक पिस्तौल, मैगज़ीन, नौ एमएम गोला-बारूद के छह राउंड और एक सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

तीसरे दिन इंग्लैंड ने हासिल की दो रन की बढ़त

लंदन,12 जुलाई (एजेंसियां) । भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन की समाप्ति हो गई है। तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया की पारी 387 रन पर सिमटी। इस तरह इंग्लैंड के द्वारा पहली पारी में बनाए 387 रन के जवाब में टीम इंडिया का स्कोर भी बराबर रहा और मेहमान टीम को एक रन की भी बढ़त नहीं मिल पाई। भारतीय टीम के लिए पारी में केएल राहुल ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उन्होंने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 74 और रविंद्र जडेजा ने 72 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं मध्यक्रम में नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 44 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।इंग्लैंड की तरफ से गेंदबाजी की बात करें तो क्रिस वोक्स के खाते में सबसे ज्यादा 3 विकेट आया। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने खास तौर से टीम इंडिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ शानदार गेंदबाजी, जिसके

कारण इंग्लैंड की टीम स्कोर को बराबरी पर रखने में सफल रही।

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन टी ब्रेक के बाद टीम इंडिया की पारी लड़खड़ा गई। टी ब्रेक तक टीम इंडिया ने 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। हालांकि, उसके बाद शोएब बशीर ने केएल राहुल को आउट इंग्लैंड की मैच में वापसी करा दी। राहुल के आउट होने के बाद रविंद्र जडेजा और नीतीश कुमार रेड्डी ने कुछ देर के लिए पारी संभाला और स्कोर को 350 रन के पार पहुंचाने का काम किया, लेकिन इसके बाद जडेजा और रेड्डी तेजी से रन बनाने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे जिसके कारण भारत का स्क इंग्लैंड के पार नहीं जा सका।भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रन का स्कोर खड़ा किया था। इंग्लैंड के लिए बन डकेट जैक क्राउली ने सधी हुई शुरुआत की थी, लेकिन 43 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया। हालांकि ओली पोप और जो रूट ने मिलकर पारी को संभाल लिया। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 104 रनों की पारी खेली। इसके अलावा जेमी स्मिथ ने 51 और ब्रायडन कार्स ने 56 रनों का योगदान दिया।

वहीं टीम इंडिया की गेंदबाजी की बात करें तो भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर पंजा खोला। बुमराह ने 74 रन खर्च कर पांच विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा टीम इंडिया के लिए मोहम्मद सिराज और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए जबकि रविंद्र जडेजा ने भी एक लेकर इंग्लैंड को दबाव में डालने में अहम भूमिका निभाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वैश्विक संशय के...

मास्को स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में भारतीय अध्ययन केंद्र की प्रमुख और पद्मश्री पुरस्कार विजेता तात्याना शौम्यान कहती हैं कि भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष और स्वतंत्र बने रहने की उसकी इच्छा से आकार लेती है। इसी नीति के तहत भारत ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाइयों पर चिंता भी व्यक्त की और संयुक्त राष्ट्र में रूस-विरोधी प्रस्तावों से दूर रहकर पश्चिमी लाइन पर चलने से इन्कार भी कर दिया। शौम्यान बताती हैं कि कैसे भारत अपनी विदेश नीति का लगातार वैश्वीकरण कर रहा है और न केवल दक्षिण एशिया में, बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी बड़ी भूमिका तलाश कर रहा है। जैसे-जैसे भारत की आर्थिक, तकनीकी और सैन्य क्षमताएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे अंतर्राष्ट्रीय मामलों में नियम-निर्माता बनने की उसकी महत्वाकांक्षा भी बढ़ रही है। भारत ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और रूस-भारत-चीन (आरआईसी) वार्ता जैसे बहुपक्षीय संगठनों में भी भारत-रूस सहयोग को रेखांकित करता है। हालांकि चुनौतियां बहुत हैं, फिर भी ऐसे मंच प्रभाव बढ़ाने और समन्वय को गहरा करने की महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करते हैं।

जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा के महत्व पर भी ग्रंथ में प्रकाश डाला गया है। पुनर्निर्वाचन के बाद उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा और 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद उनकी पहली रूस यात्रा को खास तौर पर रेखांकित किया गया है, क्योंकि वह समय अत्यंत महत्वपूर्ण था। इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी एंड इंटरनेशनल रिलेशंस ऑफ दि रशियन एकेडेमी ऑफ साइंसेज (इमेमो-रास) में इंडो-पैसिफिक केंद्र की रिसर्च फेलो लेयला तुरायानोवा के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री की उस रूस यात्रा ने पश्चिम के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए भी अपनी पारंपरिक साझेदारियों को बनाए रखने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त किया। उनका तर्क है कि भारत-रूस संबंध यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न तनाव की परीक्षा में सफल रहे हैं और विशेष रूप से व्यापार और संपर्क के क्षेत्र में नई ऊर्जा के साथ उभरे हैं।

कनेक्टिविटी वास्तव में चर्चा का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। तीन लेखकों, रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद से जुड़ी जूलिया मेलनिकोवा, अर्बातोव संस्थान की नतालिया वियाखिरेवा और आरआईएसी के कार्यक्रम समन्वयक ग्लीब ग्रिजलोव ने इस बात पर गहन शोध किया है कि कैसे भारत रूस के परिवहन और बुनियादी ढांचों से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी से शामिल हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी), आर्कटिक शिपिंग और उत्तरी समुद्री मार्ग, सभी को एक ऐसे विश्व में सहयोग के प्रमुख स्तंभों के रूप में पहचाना जाता है जहां आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार मार्गों का तेजी से पुनर्संयोजन किया जा रहा है।

रूस की प्रमुख पेट्रोकेमिकल कंपनी सिबुर के अधिकारी सर्गेई कोमिशान ने आर्थिक सहयोग का और विश्लेषण किया है। वे द्विपक्षीय औद्योगिक सहयोग की व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाने के लिए रिलायंस सिबुर इलास्टोमर्स, जो एक सफल भारत-रूस संयुक्त उद्यम है, का उदाहरण देते हैं। वे राष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों के एकीकरण, जल पुनर्चक्रण (रिसाइकलिंग) तकनीकों में सहयोग और एक संयुक्त कार्बन क्रेडिट ढांचे सहित नए अवसरों की ओर भी इशारा करते हैं। रक्षा और सामरिक सहयोग भारत-रूस साझेदारी का एक ऐतिहासिक आधार रहा है। यह अब भी प्रासंगिक बना हुआ है, लेकिन इसमें बदलाव भी आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्लेषक आर्यमन निझावन इस बात पर शोध करते हैं कि यूक्रेन संघर्ष से मिले सबक भविष्य के सैन्य-तकनीकी सहयोग को कैसे आकार दे सकते हैं। ड्रोन तकनीक, ड्रोन-रोधी प्रणालियां और यहां तक कि सेमीकंडक्टर निर्माण जैसे क्षेत्रों को संयुक्त अनुसंधान एवं विकास के लिए आशाजनक क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हालांकि एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है, संरचित सहयोग के अभाव से ग्रस्त है। इमेमो-रास की ओल्गा उस्त्युजंतसेवा और इवान डैनिलिन का तर्क है कि इस क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग का भविष्य राज्य-संचालित मॉडलों से आगे बढ़कर निजी क्षेत्र की भागीदारी की ओर बढ़ने के संकेत दे रहा है। दोनों शोधकर्ता भारत और रूस दोनों देशों में स्टार्टअप्स, वेंचर कैपिटल और एसएमई-नेतृत्व वाले नवाचार की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हैं और बेहतर संस्थागत ढांचे और निरंतर निवेश की आवश्यकता पर बल देते हैं।

रूस के वरिष्ठ बैंकर और पूर्व उप-वित्त मंत्री सर्गेई स्टोचैंक, द्विपक्षीय संबंधों के वित्तीय आयामों पर चर्चा करते हैं। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण उसकी अर्थव्यवस्था का तेजी से गैर-डॉलरीकरण हो रहा है, ऐसे में भारत स्थानीय मुद्राओं में व्यापार के प्रयोग और सुरक्षित, तेज वित्तीय संदेश प्रणाली स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभरा है। एमजीआईएमओ की अन्ना किरीवा, आसियान और हिंद-प्रशांत के व्यापक संदर्भ में भारत-रूस संबंधों का विश्लेषण करती हैं। वह नीतिगत संवादों, तीसरे बाजारों के लिए संयुक्त हथियार उत्पादन, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सहयोगी तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्रों सहित, जुड़ाव के नए प्रारूपों का प्रस्ताव करती हैं। उनका विश्लेषण एक व्यापक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है क्योंकि दोनों देश अपने कूटनीतिक उपकरणों और क्षेत्रीय साझेदारियों में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल स्टडीज के अलेक्सी जखारोव इस बात पर जोर देते हैं कि रूस का क्षेत्रीय दृष्टिकोण विस्तृत हो रहा है। जहां भारत रूस की दक्षिण एशिया रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है, वहीं मॉस्को अपनी बढ़ती कमजोरियों को संतुलित करने और अपने राजनयिक प्रभाव का विस्तार करने के लिए अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ तेजी से जुड़ रहा है। राष्ट्रपति पुतिन अपनी ऐतिहासिक भारत यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, वहीं भारत और रूस के मजबूत संबंधों पर प्रकाशित ग्रंथ दुनिया की सबसे समय-परीक्षित (टाइम-टेस्टेड) द्विपक्षीय साझेदारियों का सामयिक और गहन अन्वेषण प्रस्तुत कर रहा है। बदलती वैश्विक गतिशीलता के साथ, दोनों देशों ने दिखाया है कि उनका संबंध केवल शीत युद्ध काल का अवशेष नहीं है, बल्कि एक गतिशील, दूरदर्शी गठबंधन है जो 21वीं सदी की चुनौतियों के अनुकूल ढलने में सक्षम है। ऊर्जा और रक्षा से लेकर कनेक्टिविटी और डिजिटल नवाचार तक, भारत-रूस साझेदारी एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

संदेह से भरा...

एसोसिएशन ने एएआईबी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट मीडिया को लीक होने पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। एसोसिएशन को इस बात की चिंता है कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया के साथ साझा की गई। एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता के अभाव का आरोप लगाया और कहा कि जांच रिपोर्ट से विश्वसनीयता पर असर पड़ा है और जनता इस जांच से आश्वस्त नहीं है।

एसोसिएशन ने कहा कि जांच रिपोर्ट पहले विदेशी मीडिया को लीक की गई। इसके बाद ही वॉल स्ट्रीट जर्नल में 10 जुलाई के लेख में ईंधन नियंत्रण स्विच में गड़बड़ी का जिक्र किया गया। सवाल है कि इतनी संवेदनशील जांच की जानकारी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कैसे लीक हो गई। जांच रिपोर्ट में ईंधन नियंत्रण स्विच गेट्स से संबंधित एक सर्विसेबिलिटी बुलेटिन का जिक्र है, जो संभावित उपकरण खराबी का संकेत देता है। जब तक बुलेटिन मौजूद है, एसोसिएशन इस बात पर स्पष्टता चाहता है कि क्या बुलेटिन की सिफारिशों को उड़ान से पहले लागू किया गया था? एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जांच प्रक्रिया में एसोसिएशन के सदस्यों को पर्यवेक्षक के रूप में शामिल किए जाने की मांग की है।

प्राथमिक जांच रिपोर्ट के लीक होने और विदेशी मीडिया में पहले ही खबरें छाप कर पायलटों को दोषी बताने की हरकतें उच्चस्तरीय षडयंत्र का परिणाम है। हादसे की जिम्मेदारी पायलटों पर डालने और विमानन कंपनी और एयरलाइंस प्रबंधन को बचाने के लिए यह हथकंडा इस्तेमाल किया गया है। विदेशी मीडिया ने जांच रिपोर्ट सामने आने से पहले ही एआई 171 फ्लाइट हादसे की वजह पायलटों की गलती बता दिया। जबकि जांच रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट रूप से नहीं कही गई है। मीडिया ने विमान निर्माता कंपनी बोइंग को क्लीन चिट देने का प्रयास किया है, जिसका बनाया 787-8 ड्रीमलाइनर 242 लोगों के साथ क्रैश हुआ था। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी विमान हादसे के बाद बोइंग ने पायलटों के सिर पर दोष मढ़ने का प्रयास किया हो। जिन दो पायलटों पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश की जा रही है उनमें 56 साल के कैप्टन सुमीत सभरवाल बेहद अनुभवी पायलट थे। उनके पास 15,600 घंटों से ज्यादा उड़ान भरने का अनुभव था। 32 साल के को-पायलट क्लाइव कुंदर के पास 3,400 से अधिक घंटों तक उड़ान भरने का अनुभव था। दोनों के पास बोइंग 787 उड़ाने का लाइसेंस और योग्यता दोनों थी।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल ने गुरुवार 10 जुलाई को इसी संबंध में एक खबर प्रकाशित की, जिसमें यह दावा किया गया है कि जांचकर्ता एयर इंडिया हादसे की जांच पायलटों की गलती के एंगल से कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जनरल ने यह रिपोर्ट अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से लिखी है, जिनका नाम नहीं दिया गया है। पायलटों को कठघरे में खड़े करने वाली यह रिपोर्ट पूरी तरह से सूत्रों के हवाले से लिखी गई है। इसमें न किसी अमेरिकी और न ही एयर इंडिया के अधिकारियों का नाम दिया गया है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट कहती है कि एयर इंडिया विमान के दोनों पायलटों कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर ने एक साथ दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच एक साथ बंद कर दिए, जिसके चलते हादसा हुआ। फिर वॉल स्ट्रीट जनरल यह भी कहता है कि उड़ान के दौरान ये स्विच सामान्यतः चालू रहते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि इन्हें कैसे या क्यों बंद किया गया। स्पष्ट है कि अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि विमान हादसा असल में पायलट की ही भूल के चलते हुआ। अखबार यह भी लिख रहा है कि बोइंग का 787 ड्रीमलाइनर एकदम सुरक्षित विमान है और उसको लेकर जांच की कोई तलवार नहीं लटक रही है। मतलब साफ है।

एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि इंजन फ्यूल स्विच बंद हुए थे और कुछ सेकंड के बीच चालू भी हो गए थे। इस बीच पायलटों के बीच बातचीत भी हुई थी। जिसमें दूसरे पायलट ने पहले से इनकार किया था कि उसने इस स्विच के साथ कोई छेड़छाड़ की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्विच वापस ऑन करने के बाद भी एक ही इंजन चालू हुआ था। दूसरा तब भी नहीं चालू हो पाया। संभव है किसी तकनीकी समस्या की वजह से फ्यूल स्विच बंद हुए हों। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट भारत में विमान हादसे की जांच कर रही एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की रिपोर्ट के सार्वजनिक होने से पहले ही छप गई। ब्यूरो की रिपोर्ट सार्वजनिक होने की तारीख शनिवार 12 जुलाई है। वॉल स्ट्रीट जनरल के अलावा ब्लूमबर्ग, रॉयटर्स, एबीसी न्यूज और विमानन पर रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट एयर करेंट ने भी विमान हादसे का कारण इंजन को ईंधन पहुंचाने वाले फ्यूल स्विच के पायलटों की गलती से बंद होना बताया है। इन सभी मीडिया संस्थानों में यह खबरें 8 जुलाई से 10 जुलाई के बीच प्रकाशित हुई हैं।

एएआईबी की प्राथमिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी। 213.4 टन वजन के साथ उड़ा विमान हवाई अड्डे की परिधि की दीवार पार करने से पहले ही नीचे आने लगा। इस समय विमान में 54,200 किलोग्राम फ्यूल था और टेक-ऑफ वजन 2,13,401 किलोग्राम रहा, जो अधिकतम अनुमत वजन 2,18,183 किलोग्राम से कम था। एयरक्राफ्ट ने 180 नॉट्स की अधिकतम रफ्तार हासिल की और उसी दौरान दोनों इंजनों के फ्यूल कटऑफ स्विच रन से कटऑफ में बदल गए। इन दोनों स्विच में सिर्फ 1 सेकंड का अंतर था। एएआईबी ने कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का भी विश्लेषण किया। इसमें एक पायलट दूसरे से पूछता है, तुमने कटऑफ क्यों किया? जवाब मिलता है, मैंने नहीं किया। इससे अंदेशा है कि ये कटऑफ स्वचालित या तकनीकी गड़बड़ी के चलते हुआ, जिसे अब गहराई से जांचा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पायलटों ने दोनों इंजनों को फिर से शुरू करने की कोशिश की। इंजन-1 दोबारा शुरू होने लगा और उसकी गति रिकवर होने लगी, लेकिन इंजन-2 बार-बार फ्यूल रीइंट्रोड्यूस करने के बावजूद पर्याप्त गति नहीं पकड़ पाया।

उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का अत्याधुनिक विमान बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 बीते 12 जून को उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद अहमदाबाद के मेघाणीनगर में क्रैश हो गया। विमान में सवार 242 लोगों में 12 क्रू के सदस्य थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। एक यात्री को छोड़ कर बाकी सारे यात्री हादसे में मारे गए। मेडिकल कॉलेज परिसर में नीचे जमीन पर भी दर्जनों लोग हादसे की चपेट में आकर मारे गए थे। इस दुर्घटना में कुल 260 लोग मारे गए थे।

बिना पर्ची...

भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हों, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। पीएम मोदी ने कहा, आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं। और वह है देश की सेवा। पीएम मोदी ने कहा कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर नौकरी मिलेगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

भाजपा चाहती...

उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने। विकसित भारत का रास्ता विकसित केरलम से होकर ही जाता है। अब से भाजपा का मूल उद्देश्य विकसित केरलम होगा। अमित शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद का जवाब पीएम मोदी और भाजपा के अलावा कोई नहीं दे सकता। हमने उरी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से, पुलवामा हमलों का जवाब एयर स्ट्राइक से, ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुस के मारा से दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने केरल के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा जारी धनराशि से कई गुना ज्यादा धनराशि जारी की है। मैं भाजपा मुख्यालय के माध्यम से इसके बारे में हर विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करूंगा।

केरल में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियों में हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयार भी तेज कर दी है। इसी सिलसिले में शनिवार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा के नए राज्य समिति कार्यालय मरारजी भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस दौरान अमित शाह ने पार्टी का झंडा फहराया, भवन के सामने पौधा लगाया, फीता काटकर कार्यालय के अंदर प्रवेश किया और पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर नए कार्यालय का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। उन्होंने भवन के केंद्रीय हॉल में स्थापित पूर्व भाजपा राज्य अध्यक्ष केजी मरार की कांस्य प्रतिमा को पुष्प अर्पित कर सम्मानित किया। कार्यालय के उद्घाटन समारोह के दौरान भाजपा केरल इकाई के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। अमित शाह ने नए कार्यालय का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

चुनाव नहीं...

से 10 दिनों में जवाब मांगा है। आयोग का मानना है कि इन दलों की निष्क्रियता चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कहा कि जिन राजनीतिक दलों को नोटिस भेजी गई है, उन्होंने पिछले छह साल से कोई भी चुनाव नहीं लड़ा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत सभी रजिस्टर्ड पार्टियों को विशेष अधिकार और सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन इन अधिकारों का लाभ उठाकर निष्क्रिय रहने वाले दलों को आयोग अब डीलिस्ट करने पर विचार कर रहा है। यानि, इन दलों का नाम पंजीकृत राजनीतिक दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। आयोग ने यह भी कहा कि अगर कोई पार्टी अपना पक्ष उचित प्रमाणों के साथ नहीं रखती है, तो उनके रजिस्ट्रेशन पर कार्रवाई तय है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने जिन 17 राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया है उनमें भारतीय बैकवर्ड पार्टी, भारतीय सुराज दल, भारतीय युवा पार्टी (डेमोक्रेटिक), भारतीय जनतंत्र सनातन दल, बिहार जनता पार्टी, देशी किसान पार्टी, गांधी प्रकाश पार्टी, हमदर्दी जनरक्षक पार्टी, समाजवादी विकास पार्टी (जनसेवक), क्रांतिकारी साम्यवादी पार्टी, क्रांतिकारी विकास दल, लोक आवाज दल, लोकतांत्रिक समता दल, राष्ट्रीय जनता पार्टी (भारतीय), राष्ट्रवादी जन कांग्रेस, राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी, सर्वजन कल्याण लोकतांत्रिक पार्टी और व्यवसाई किसान अल्पसंख्यक मोर्चा शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इन दलों को 21 जुलाई तक सबूतों के साथ अपना पक्ष रखने के लिए कहा है, ताकि भारत निर्वाचन आयोग को उचित रिपोर्ट सौंपी जा सके। चुनाव आयोग का मानना है कि सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शिता के साथ सक्रिय भागीदारी निभाएं।

न्याय व्यवस्था में ...

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने भी दीक्षांत समारोह में भाग लिया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

इससे पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल में कहा था कि संविधान देश में रक्तहीन क्रांति का हथियार रहा है। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका ने पिछले 75 वर्षों में भारत में सामाजिक-आर्थिक समानता लाने के लिए मिलकर काम किया है। संविधान अपनी शताब्दी की ओर बढ़ रहा है और उन्हें खुशी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं।

रिश्तों में जमी...

विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए तियानजिन जाने से पहले बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जानकारी के मुताबिक, दोनों की ये मुलाकात निजी स्तर पर होगी। इसका मकसद दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को कम करना बताया जा रहा है, और आपसी सहयोग बढ़ाना है। एससीओ अहम इसलिए है क्योंकि ये चीन के नेतृत्व वाला एक बहुपक्षीय समूह है जिसमें भारत और पाकिस्तान सहित नौ स्थायी सदस्य शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों ही विदेश मंत्रियों के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है, जिनमें भारत को दुर्लभ मृदा की आपूर्ति, दलाई लामा का उत्तराधिकार, हाल ही में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बहाली अहम मुद्दा होंगी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की यह यात्रा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के कुछ ही हफ्तों बाद हो रही है। एससीओ एक समूह है जिसमें चीन मुख्य भूमिका निभाता है, और फिलहाल वह इस संगठन का अध्यक्ष भी है। पहलगाम हमले की निंदा न करने को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ज्वाइंट स्टेटमेंट पर हस्ताक्षर नहीं किए, जिसके चलते एक बड़ा टकराव हो गया था।

उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उस वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़प की वजह से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। 21 अक्टूबर को अंतिम रूप दिए गए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग स्थित टकराव वाले दो अंतिम स्थानों से सैनिकों को वापस बुलाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है लेकिन अभी रिश्तों में जमी बर्फ पूरी तरह नहीं पिघली है, जिसके चलते दोनों देशों के नेता इसे पटरी पर लाने के लिए चर्चा कर सकते हैं।

15 जुलाई को...

उन्होंने वॉयेजर डिस्प्ले, सेरेब्रल ब्लड फ्लो और फोटॉनग्रेव नामक प्रयोगों के जरिए यह समझने की कोशिश की कि माइक्रोग्रैविटी में शरीर और मन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

इसरो ने इस मिशन पर लगभग 550 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह निवेश भविष्य के भारतीय अंतरिक्ष अभियानों के लिए जरूरी अनुभव जुटाने के लिए किया गया है। गगनयान मिशन की तैयारी के तहत यह पहला मौका है जब किसी भारतीय को आईएसएस पर भेजा गया। इस मिशन में इसरो, नासा और यूरोपीय एजेंसियों का सहयोग रहा। नासा ने बताया कि एक्सिओम-4 मिशन के दौरान इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन, स्पेस सूट के कपड़ों की जांच और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शोध भी किए गए। इन प्रयोगों के नमूने भी ड्रैगन यान में रखे जाएंगे, ताकि उन्हें धरती पर लाकर आगे की जांच हो सके। इसरो के डॉक्टर लगातार शुभांशु की मेडिकल रिपोर्ट की निगरानी कर रहे हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए स्वास्थ्य परीक्षण भी कर रहे हैं।

धरती पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला और अन्य सहयोगियों को पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुकूल ढालने के लिए करीब सात दिनों तक विशेष पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। इसरो ने यह भी बताया कि मिशन के बाद यह सभी वैज्ञानिक आंकड़े भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में बहुत मददगार साबित होंगे। अंतरिक्ष में रहते हुए शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ अच्छा समय बिताया। मिशन कमांडर व्हिटसन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे डिहाइड्रेटेड झींगा और भारतीय आमरस और गाजर के हलवे के साथ स्पेस डिनर का आनंद ले रहे हैं। यह क्षण न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बल्कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी खास रहा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 13 जुलाई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महेंद्राहिल्स में शुक्रवार रात्रि को श्री श्याम बाबा का भव्य जागरण आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शुभलाभ ग्रुप के सर्वेसर्वा एवं उद्योगपति श्री गोपाल अग्रवाल परिवार द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगरद्वय के प्रसिद्ध भजन गायकों जिसमें शम्भू अग्रवाल, सागर व्यास एवं आशीष शर्मा ने भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर श्याम बाबा की पावन ज्योत जगाई गई, भव्य दरबार सजाया गया, छप्पन भोग लगाया गया एवं भजनों से श्याम बाबा को रिझाया गया। उक्त कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों सहित इष्ट मित्रों एवं श्याम बाबा के भक्तों ने भजनों का आनंद लिया।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय ब्राइड्स प्रदर्शनी 18 से

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाईलाइफ ने शादी ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए तीन दिवसीय ब्राइड्स प्रदर्शनी का आयोजन आगामी आगामी 18 जुलाई से हाईटेक सिटी स्थित एचाईसीसी नोवोटेल में किया जा रहा है। हाईलाइफ ब्राइड्स में देश भर के डिज़ाइनर अपने नये कलेक्शन के साथ भाग लेंगे।

यहाँ एक कर्टनरेज़र कार्यक्रम में अभिनेत्री चांदनी भगवानानी, अभिनेत्री निरुपमा, उर्मिला चौहान मिस इंडिया तेलंगाना 2023 तथा अन्य फैशन प्रेमियों ने प्रचार सामग्री का विमोचन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, हाईलाइफ़ प्रदर्शनी के एमडी एवं सीईओ एबी डोमिनिक ने कहा कि

हाईलाइफ़ ब्राइड्स एक्ज़िबिशन भारत की सबसे भव्य और सबसे प्रसिद्ध ब्राइडल, वेडिंग, फ़ैशन, उत्सव और लाइफस्टाइल प्रदर्शनियों में से एक है। यह बेहतरीन डिज़ाइनरों, शीर्ष ज्वैलर्स, विशिष्ट फ़ैशन लेबल्स और वेडिंग सेवा प्रदाताओं को एक ही छत के नीचे एक साथ लाता है।

अभिनेत्री चाँदनी ने बताया कि हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी का लोगों को इंतज़ार रहता है, जहाँ वह अपने लिए आवश्यक सामग्री एक ही स्थान से खरीद सकते हैं। विशेषकर नये एवं समकालीन फैशन को प्रतिबिंबित करने वाले परिधान एवं आभूषणों के लिए कई तरह के विकल्प खुले रहते हैं। प्रदर्शनी में विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर-वधु के लिए विभिन्न प्रकार की उपयोगी सामग्री के स्टॉल स्थापित किये जाएँगे। विशेषकर आभूषणों के लिए देश भर के प्रमुख फैशन डिज़ाइनरों को प्रदर्शनी में आमंत्रित किया गया।

आयोजकों ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी का आयोजन 18 से 20 जुलाई को होगा। यह अपनी सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी होगी, जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन विकल्पों के साथ उपलब्ध होगा।

शनिवार, 12 जुलाई को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी. एस. नरसिम्हा का आरजीआईए हवाई अड्डे, शमशाबाद, हैदराबाद पर हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने कहा कि उनसे बातचीत करना अत्यंत सम्मान और प्रेरणा का क्षण था और न्यायपालिका में उनके योगदान को वास्तव में सराहनीय बताया।

बजरंग सेना तेलंगाना ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त को ध्वनि प्रदूषण पर ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 11 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद से मुलाकात की और शहर भर में मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे पर एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल में राघव मनी (उपाध्यक्ष), मनोज मोगलगिद्दी (अध्यक्ष, ग्रेटर हैदराबाद), श्रीमती कीर्ति अवस्थी (महासचिव, महिला मोर्चा), वीरेंद्र अवस्थी (अध्यक्ष, उप्पुगुड़ा - छोटू) और संगठन के

अन्य प्रमुख सदस्य शामिल थे।

ज्ञापन में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार ध्वनि प्रदूषण दिशानिर्देशों और नियमों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, विशेष रूप से सुबह जल्दी और देर रात के समय, ताकि जनता की शांति और कल्याण सुनिश्चित हो सके।पुलिस आयुक्त ने धैर्यपूर्वक सुनवाई की और प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों को कानून के अनुसार उचित कदम उठाकर संबोधित किया जाएगा।

संजय कुमार ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 12 जुलाई (यूएनआई)

भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव ने दक्षिण-मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

भारतीय रेलवे इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसई) के 1988 बैच के अधिकारी श्रीवास्तव के पास मुख्य रेलवे संचालन, बुनियादी ढाँचे के विकास और मेट्रो योजना में तीन दशकों का अनुभव है।

इस नियुक्ति से पहले, श्रीवास्तव केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (कोर) के महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, श्रीवास्तव भारतीय रेलवे में तकनीकी प्रगति और सिविल इंजीनियरिंग नीतियों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

आरडीएसओ, राइट्स और रेलवे बोर्ड जैसे प्रमुख संस्थानों में अपने शानदार करियर के साथ, उन्होंने बुनियादी ढाँचे के विकास, मेट्रो परियोजनाओं और उन्नत रेल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता मज़बूत हुई है।

अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) में प्रधान कार्यकारी निदेशक (इन्फ्रा-1) के रूप में अपनी पिछली भूमिका में, श्रीवास्तव ने रेल प्रौद्योगिकी में कई नवाचारों का नेतृत्व किया, जिससे रेलवे संचालन में सुरक्षा, दक्षता और स्थिरता में वृद्धि हुई।

उनकी नियुक्ति से दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में आधुनिकीकरण और बुनियादी ढाँचे के विकास पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है।अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने उन्नत रेल प्रौद्योगिकियों के विकास में योगदान दिया, जिनमें 60 किग्रा आर350एचटी ग्रेड रेल, नौ प्रोब और बी-स्कैन सुविधाओं के साथ एसआरटी/डीआरटी, और फ्लैश बट जोड़ों के लिए चरणबद्ध ऐरे यूएसएफडी शामिल हैं।एमएंडसी निदेशालय और भिलाई इस्पात संयंत्र के साथ उनके सहयोग महत्वपूर्ण रहे।

संजय ने अपना करियर वलसाड में सहायक अभियंता के रूप में शुरू किया और बाद में मुंबई और वडोदरा में डिवीजनल ट्रैक इंजीनियर और उप-मुख्य अभियंता जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

राइट्स में महाप्रबंधक (शहरी परिवहन) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कोलकाता, कोच्चि और नागपुर मेट्रो सहित मेट्रो परियोजनाओं में नियोजन, डिजाइन और निविदा प्रक्रियाओं से संबंधित महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आईआईटी रुड़की और आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र, संजय ने अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री भी प्राप्त की है।

बीकानेर में मंडल रेल प्रबंधक सहित भारतीय रेलवे में विभिन्न पदों पर कार्यरत अपने करियर के दौरान, उन्हें इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन और सामान्य प्रशासन की गहरी समझ है।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में संजय की नियुक्ति रेलवे इंजीनियरिंग, मेट्रो विकास और प्रशासनिक नेतृत्व में उनकी व्यापक विशेषज्ञता को रेखांकित करती है।

तकनीकी नवाचार और बुनियादी ढाँचे के विकास में उनका योगदान दक्षिण मध्य रेलवे को और अधिक दक्षता और सफलता की ओर ले जाएगा।

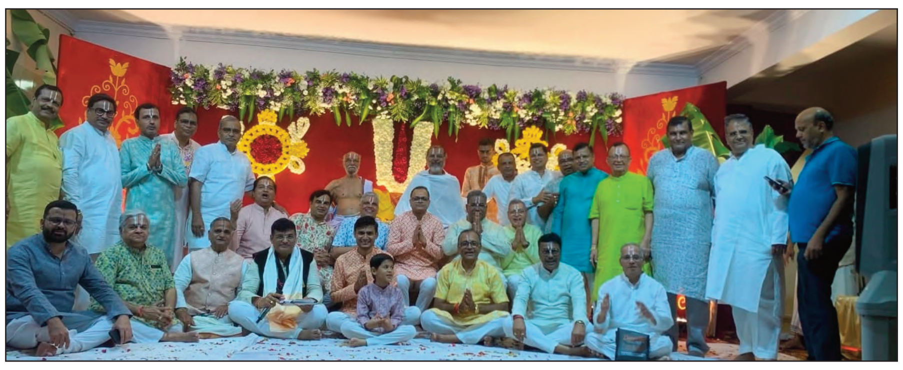

श्री कांची प्रतिवादी भयंकर शिष्यवृंद गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तों को कांची के प्र.भ. मठ के श्री श्रीनिवासाचार्य और युवराज स्वामी अनंतचार्य ने आशीर्वचन प्रदान किया। इस मौके पर इलकल के मनोहर करवा और श्री वैष्णव सत्संग मंडल के राधेश्याम राठी ने अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत किये।

अग्रवाल समाज कर्यालय में अग्रवाल समाज तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, सह-सचिव सीमा जैन एवं कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता का सम्मान करते हुए अशोकनगर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य पूजा गुप्ता, सचिव सत्यनारायण गुप्ता, सह-सचिव रामगोपाल अग्रवाल एवं अन्य।

बीजेपी के पूर्व तेलंगाना राज्य प्रवक्ता मीर फिरासत अली बकरी ने उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा और वस्त्र मंत्री श्री राकेश सचान का हैदराबाद में 11 जुलाई 2025 को हार्दिक स्वागत किया। यह यात्रा उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो (यूपीआईटीएस) 2025 के तीसरे संस्करण के लिए दूसरा रोडशो आयोजित करने के लिए थी, जो फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई), रेड हिल्स, हैदराबाद में आयोजित हुआ।श्री सचान ने उत्तर प्रदेश स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएसआईसी) के प्रबंध निदेशक और कानपुर के अतिरिक्त उद्योग आयुक्त श्री राज कमल यादव, आईएएस के साथ मिलकर इस आयोजन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल भी शामिल हुए। उत्तर प्रदेश सरकार और इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) द्वारा आयोजित इस रोडशो का उद्देश्य दक्षिणी राज्यों के निवेशकों और उद्यमियों के लिए उत्तर प्रदेश के व्यापार, निवेश, निर्यात और नवाचार की क्षमता को प्रदर्शित करना था। 150 से अधिक उद्योग नेता, निर्यातक और व्यापार संगठनों ने भाग लिया, जिसमें यूपीआईटीएस 2025 के लक्ष्य को रेखांकित किया गया, जैसे कि बी2बी जोन, खरीदार-विक्रेता बैठकें और ओडीओपी प्रदर्शन। यह व्यापार शो 25-29 सितंबर 2025 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में निर्धारित है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा, तेलंगाना गोशाला फेडरेशन, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, पंडित गंगाराम स्मारक मंच के संयुक्त तत्वावधान में श्री प्रेमचंद मूणत को लायंस क्लब का जीव जंतु कल्याण विभाग का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनको सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर सतीश जाजू, महेश अग्रवाल, रिद्धीश जागीरदार, जी. नरहरी, भक्त राम, अनिल कौशिक, डैनी आजाद एवं अन्य उपस्थित थे ।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर रक्तदान शिविर लगाया गया।शाखा मंत्री युवा पन्नालाल भाटी ने बताया कि कुकडपल्ली हैदराबाद में माली समाज महादेवपुरम में श्री लिखमीदासजी महाराज के नाम विशाल जन्मा जागरण कार्यक्रम में रक्तदान की जागरूकता के लिए रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस बार पहली बार बाबा की असीम कृपा से 25 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। लगभग बहुत से पुरुष एवं महिलाओं ने पहली बार रक्तदान किया ।कार्यक्रम में भजन गायक रमेश माली भी रक्तदान शिविर में पधारे और कार्यक्रम की सराहना की ।इस विशाल रक्तदान शिविर में हरिश माली,मंगलाराम चौधरी, घीसाराम चौधरी का विशेष सहयोग रहा ! सभी रक्तवीर रक्तविरंगनाओ को ब्लड बैंक के द्वारा प्रशस्ति पत्र, उपहार दिया गया ! कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगण एवं सभी युवा सदस्यों का शाखा के रक्तदान संयोजक युवा दिनेश गहलोत ने आभार व्यक्त किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप स्थित माता की मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,मायाराम जी,जगन भाई चंपापेट,नरेश बंसल,अनिल भाई,गोविंद राम जी,विनोद तोशनीवाल,सुनील भाई,शिव भगवान,अशोक अग्रवाल,राधा अग्रवाल,लता गोयल,पन्ना लाल जी,आशीष,किशन पाल,रवि, एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कच्छी नव वर्ष उत्सव अंतर्गत लोक संगीत एवं डायरो कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वागलिंगपल्ली स्थित आर. टी. सी. कल्याण मंडपम मे कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल मनोरंजन समिति द्वारा आषाढी बीज कच्छी नव वर्ष उत्सव अंतर्गत लोक संगीत एवं डायरो कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

आज यहां संस्था द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ती मे श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला एवं प्रचार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि रविवार दि. 6 जुलाई 2025 को सायं 6 बजे से आयोजित लोकसंगीत एवं डायरो कार्यक्रम मे मुंबई से पधारे विश्व विख्यात कलाकार गुजरात गौरव चेतन गढवी एन्ड पार्टी ने लोक संगीत एवं डायरो प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। टीम मे कोकिल कंठी विख्या गायिका मृणालिनी धरत, लोकप्रिय हास्य कलाकार भाग्येश वारा ने अपनी विशेष शैली मे संगीत व डायरो प्रस्तुत कर समा बांधा। मंडलके अध्यक्ष हेमांग मोमाया ने पधारे सभी समाजबंधुओ, अतिथियो, सहयोगी दाताओ का स्वागत किया ।कार्यक्रम संयोजक राजीव मामणिया ने बताया कि लोकसंगीत एवं डायरो कार्यक्रम के मुख्य स्पोन्सर्स श्रीमती हर्षाबेन विजयभाई नागडा परिवार (मे. स्वास्तीक स्पाईसेस) थे वहीं स्वार्ण दाता श्रीमती लतावेन मणिकांत मोमाया परिवार, श्री प्रेमलक्ष्मी परिवार, मातुश्री पानबाई खीमजी डुंगरशी मामणिया परिवार तथा रजत दाता मातुश्री लक्ष्मीबेन मोहनलाल गाला परिवार, श्रीमती वनितावेन भरतभाई गाला परिवार, श्रीमती प्रीतिवेन विनोदभाई नागडा परिवार, श्रीमती जयाबेन मनोज हंसराज नागडा परिवार, श्रीमती सुशीलाबेन मनहरभाई गाला परिवार एवं 3 सद्गृहस्थ परिवारका सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होने सभा दाता परिवार के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन पूनम देढिया ने किया। कार्यक्रम के पूर्व चौविहार एवं कार्यक्रम पश्चात सभी के लिय भोजन की व्यवस्था रखी गयी ।

कार्यक्रम मे श्री कच्छी मित्र मंडल अध्यक्ष हेमांग मोमाया, उपाध्यक्ष केशवजीभाई छेडा, मंत्री पंकज सावला, सहमंत्री पराग मारू, कोषाध्यक्ष मनोज नागडा, सहकोषाध्यक्ष लहेरचंद लोडाया, कार्यकारीणी सदस्यगण दिनेश गोसर, राजीव मामणीया, रिद्धीश जागीरदार, अंकित वोरा, दिपेन सावला, पूनम देढिया, ट्रस्ट बोर्ड के ट्रस्टी सुशील कापडिया, नीतिन धरोड, किर्तीकुमार कापडिया, योगेश गोसर, पोपटलाल गडा, लिलमबेन धीरज कापडिया, विपुल निसर, शांतिलाल मामणिया, कल्पना सुशील कापडिया, दिर्गेष निशर, निलेश छेडा, राहुल छेडा, राजीव मामणीया, रतिलाल छेडा, जयंत गडा, प्रेमचंद छेडा, प्रदिप संघवी आदि उपस्थित थे।

एस.डी. सिग्नोडीया कॉलेज के एमबीए विभाग में बोनालू पर्व आयोजित

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित शंकर लाल धनराज सिगनोडीया कॉलेज के एम.बी.ए. विभाग में बोनालू पर्व कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रेस को जारी विज्ञप्ति में विभाग के करेस्पोंडेंट मुकुंदलाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ की पूजा और आरती की गई। इस अवसर पर अग्रवाल शिक्षा समिति के अकादमिक सह सलाहकार राजेश अग्रवाल, कॉलेज के प्रधानाध्यापक डॉ. सी. एच. दलपड़ाल, विभाग की निदेशिका प्रोफेसर पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंग, वेंकटेश, करण, रश्मिता, पद्मजा, सीनू एवं एम. बी. ए. विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र उपस्थित थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, POONAM spouse of Service No. JC 733916F Sub YATENDRA SINGH SIROHI of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO have changed my name and DOB from POONAM, DOB:07-06-1979 to PUNAM, DOB:01-01-1980 vide affidavit dt:12-7-2025 before G Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No JC 733916F Sub YATENDRA SINGH SIROHI of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is changed from CHANDRA DEVI, DOB:10-03-1950 to CHANDRAKALA, DOB:01-01-1954.

CHANGE OF NAME
I, Y SIRISHA Spouse of Service No. 10329882L Naik Y RAMBABU, R/o.9-82, Vill and Po:Santharavuru, Teh:Chinaganjam, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523185 have changed my name from Y SIRISHA to YENDLURI SIRISHA vide affidavit dt:11-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 10329882L Naik Y RAMBABU, R/o. 9-82, Vill and PO:Santharavuru, Teh:Chinaganjam, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523185 have changed my name from Y RAMBABU to YENDLURI RAMBABU vide affidavit dt:11-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, CHINNA NAGA BHUSHANAM Father of Service No. 10329882L Naik Y RAMBABU, R/o.9-82, Vill and Po:Santharavuru, Teh:Chinaganjam, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523185 have changed my name and DOB from CHINNA NAGA BHUSHANAM, DOB:01-07-1964 to YENDLURI CHINA NAGA BHUSHANAM, DOB:01-06-1965 vide affidavit dt:11-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MARTHAMMA Mother of Service No. 10329882L Naik Y RAMBABU, R/o. 9-82, Vill and PO:Santharavuru, Teh:Chinaganjam, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523185 have changed my name and DOB from MARTHAMMA, DOB:01-07-1969 to YENDLURI MARTHAMMA, DOB:04-11-1973 vide affidavit dt:11-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

हार्दिक अभिनन्दन
श्री राजेश कुमार अग्रवाल
(निदेशक : अग्रसेन बैंक)
(चेयरमैन : अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्म गौरव भवन)
को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ
Linguistic Minority Cell TPCC
का चेयरमैन नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन
अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट
आत्म गौरव भवन
Trustee
मधुसूदन सौंथलिया
MS Group
Hyderabad
Trustee
सुरेश कुमार अग्रवाल
Jaya Industries
Satamrai
Trustee
नरेश कुमार चौधरी
Shiv Home World
KPHB, Hyderabad
Trustee
धीरज कुमार अग्रवाल
Renu Steel Tubes Co.,
Secunderabad
Trustee
विजयकुमार अग्रवाल
Jamex Group
Hyderabad
Trustee
महावीरप्रसाद अग्रवाल
Neha Marketing
Malakpet, Hyderabad
Trustee
पुरुषोत्तमदास गोयल
Goyal Textiles
Dilsukhnagar, Hyderabad
Trustee
रविन्दर कुमार अग्रवाल
Jagdamba Motors
Chirag Ali Lane, Hyd | Sindhi Colony, Sec'bad
Trustee
गोविन्द देव पोद्दार
Poddar Granites
Nagole, Hyderabad
Trustee
मनोज कुमार अग्रवाल
DSL Infra
Hyderabad
Trustee
गोपालदास अग्रवाल
Hotel SG Comforts
Abids, Hyderabad
Member
दिनेश कुमार ताजपुरिया
Hanuman Corporation
Malakpet, Hyderabad
Member
रितेश अग्रवाल
RK Trading Company
Balanagar, Hyderabad

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव का अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गोशामहल विधानसभा क्षेत्र ने 12 जुलाई को नवनिर्वाचित भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के सम्मान में बेगम बाज़ार स्थित श्रृंग ऋषि भवन में एक अभिनंदन सभा का आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा गोलकुंडा ज़िला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र ने किया। अपने भाषण में, उमा महेंद्र ने हैदराबाद ज़िला अध्यक्ष के रूप में राव के कार्यकाल के दौरान हैदराबाद में भाजपा की उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राव के प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद से पार्टी ने कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच उत्साह में वृद्धि देखी है और गोशामहल या गोलकुंडा ज़िला से किसी भी सदस्य ने पार्टी नहीं छोड़ी है।

सभा को संबोधित करते हुए एन. रामचंदर राव ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी नियुक्ति के लिए ईश्वर, भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पुराने शहर, विशेषकर गोशामहल के साथ अपने गहरे जुड़ाव पर ज़ोर दिया, जहाँ उन्होंने नगर अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी को मज़बूत करने के लिए व्यापक रूप से काम किया। राव ने पुराने शहर की लगातार समस्याओं की ओर इशारा किया, जिनमें भीड़भाड़ वाली सड़कें, खराब बुनियादी ढाँचा और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ शामिल हैं। उन्होंने गड्ढों से भरी सड़कों जैसी समस्याओं का हवाला दिया, जो जन सुरक्षा में बाधा डालती हैं और दमकल जैसी आपातकालीन गाड़ियों को प्रभावित क्षेत्रों तक पहुँचने से रोकती हैं। राव ने इन चुनौतियों के लिए पिछली बीआरएस और कांग्रेस सरकारों के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया।राव ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की आलोचना की और उन पर पुराने शहर के बुनियादी ढाँचे और उसके निवासियों के विकास की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा को एक कैडर-आधारित पार्टी बताया जो राष्ट्र को प्राथमिकता देती है और चेतावनी दी कि भाजपा का विरोध करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। राव ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवादी डरे हुए हैं, और उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार से हैदराबाद से पाकिस्तानियों और रोहिंग्याओं की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने का आग्रह किया, शहर में स्लीपर सेल की मौजूदगी का आरोप लगाया। उन्होंने सिकंदराबाद में मुथ्यालम्मा मंदिर के विध्वंस का भी उल्लेख किया और आश्वासन दिया कि भाजपा पुराने शहर में हिंदुओं की रक्षा करेगी।भाजपा की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, राव ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में, केंद्र सरकार ने 5 किलो चावल और 5 किलो गेहूं का मुफ्त राशन उपलब्ध कराया है, 12 राष्ट्रीय राजमार्गों को मंजूरी दी है और वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं। उन्होंने पुराने शहर के लोगों से भाजपा को सत्ता में आने का मौका देने की अपील की, क्योंकि उन्होंने पहले कांग्रेस और बीआरएस का समर्थन किया था। राव ने आगामी जीएचएमसी चुनावों में हैदराबाद मेयर पद पर भाजपा की जीत और अगले आम विधानसभा चुनावों में सरकार बनाने का विश्वास व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

THE GUJARATI SOCIAL WELFARE SOCIETY
TGSWS — The Gujarati Social Welfare Society — Estd : 1984
TGSWS 40 Years 1984-2024
NON PROFITABLE ORGANISATION Regd. No. 514/1990
New Address : H. No. 5-1-718/2, 2nd Floor, SVM Hotel, Kishan Chambers, Bank Street, Koti, Beside ENT Hospital, Hyderabad - 95. Ph: 040-49022548, 24756299, 9392656076

41st ANNUAL GENERAL BODY MEETING

This is to inform to all members that **41st ANNUAL GENERAL BODY MEETING 2024-2025** and **Election for the year (2025-2027)** will be conducted on **Sunday 3rd August 2025 at 10:00 am at Patidar Bhavan,** Laxmi Nagar Colony, Kothapet, Hyderabad. All the society members are invited to attend the meeting with society identity card is Compulsory. (Followed by Lunch).

Note : Members with ongoing court cases & members who gave applications for closing the accounts are not eligible to attend the Annual General Body Meeting.

Dt : 12-07-2025
Place : Hyderabad.

JIGNESH C. DOSHI	YOGESH TURAKHIA	HETAL SAMANI
Hon. President	Hon. Secretary	Hon. Treasurer

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा शाखा की अध्यक्षता शीतल जैन की नेतृत्व में कार्यक्रम शाखा की सदस्य की तरफ से गुप्त दान और संतोष देवी जैन की पुण्य स्मृति में राकेश कुमार साहिल एवं मेघा की तरफ से गवर्नमेंट प्राइमरी मडफोरट स्कूल सिख विलेज तिरुमलागिरी मंडल के 290 बच्चों को 150 पुस्तकें, स्टेशनरी सामान दिए गए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन घोडेला, प्रीति सोनी, मंजू घोड़ेला,योगिता अलीजार, चंदा मोदी, वीना जैन, ज्योति मखाना, ममता पीरगल, उर्मिला ढल्ला, ममता चौरडिया, अंजू बाफना, शीला धोखा, रेखा कारगवाल और रिया सिंघी रहे हैं। नरीचेतना संयोजिका मेघा सिंघी ने सभी का आभार व्यक्त किया।।

तेलंगाना भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव का स्वागत श्रृंग ऋषि भवन गोशामहल में राजेश करवा वार्ड सदस्य बेगम बाजार डिविजन द्वारा किया गया।

फिर से होगी रोहित वेमुला आत्महत्या मामले की जांच

ओबीसी वेमुला को एससी बनाने पर तुले हैं कांग्रेसी

हैदराबाद, 12 जुलाई (ब्यूरो)।
कुछ वर्ष पहले आत्महत्या करने वाले हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला को लेकर राजनीति की रोटियां सेंकने का क्रम अभी भी जारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से लेकर तेलंगाना की कांग्रेस सरकार तक रोहित वेमुला को दलित साबित करने की लगातार चेष्टा में लगे हुए हैं। जबकि जातीय आधार पर रोहित वेमुला ओबीसी वर्ग से आते थे, यह तथ्यात्मक तौर पर साबित हो चुका है। फिर भी कांग्रेस ओछी सियासत करने से बाज नहीं आ रही है।तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने कहा है कि रोहित वेमुला की आत्महत्या मामले की फिर से जांच की जाएगी।

तेलंगाना सरकार के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने रोहित वेमुला आत्महत्या के मामले को फिर से खोले जाने के लिए तेलंगाना हाई कोर्ट में कानूनी नोट दायर किया है। उन्होंने कहा है कि हम इस मामले में शामिल किसी भी शख्स को नहीं छोड़ेंगे। विक्रमार्क ने यह बयान भाजपा की ओर से रामचंद्र राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाने को लेकर दिया। विक्रमार्क ने कहा कि भाजपा को रामचंद्र राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि वह 2016 में हुए रोहित वेमुला आत्महत्या मामले के आरोपियों में से एक थे।विक्रमार्क ने कहा कि राव का प्रमोशन करके भाजपा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जो भी दलितों और आदिवासियों के खिलाफ जाएगा, उसे पार्टी द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। विक्रमार्क ने कहा कि ऐसी नियुक्तियों पर न केवल पुनर्विचार होना चाहिए बल्कि देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला की आत्महत्या के मामले में पिछले साल तेलंगाना पुलिस ने अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें रामचंद्र राव सहित सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी गई थी।

सिकंदराबाद बोनालू : देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित करेंगे रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भव्य उज्जैनी महाकाली बोनालु उत्सव 13 से 15 जुलाई तक सिकंदराबाद में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाएगा । उत्सव के दौरान, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी देवी महाकाली को श्रद्धा स्वरूप रेशमी वस्त्र (पट्टू वस्त्रालु) अर्पित करेंगे ।

बोनालु उत्सव सोमवार को निर्धारित शुभ रंगम (भविष्यवाणी समारोह) और भव्य अंबारी (हाथी जुलूस) के साथ संपन्न होगा। महिला श्रद्धालु पारंपरिक बोनम - चावल, गुड़, हल्दी और सिंदूर से भरा एक मिट्टी का बर्तन - देवता को अर्पित करेंगी, जो कृतज्ञता और सुरक्षा का प्रतीक है।तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र से लाखों श्रद्धालुओं के आने की आशंका को देखते हुए , हैदराबाद सिटी पुलिस ने मंदिर परिसर के आसपास 2 किलोमीटर के दायरे में यातायात प्रतिबंध लगा दिए हैं। सुचारू यातायात और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1,600 से ज़्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।इसके अतिरिक्त, सतत निगरानी के लिए 70 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं , तथा भीड़ की आवाजाही पर नजर रखने तथा सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

आषाढ़ मास का बोनालू तेलंगाना, खासकर हैदराबाद और सिकंदराबाद में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। हजारों भक्त, खासकर महिलाएं, आशीर्वाद लेने, प्रार्थना करने और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपराओं को कायम रखने के लिए इस आध्यात्मिक आयोजन में भाग लेती हैं।उज्जैनी महाकाली बोनालु उत्सव अपने जीवंत जुलूसों, ढोल की थाप, सांस्कृतिक प्रदर्शनों और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए जाना जाता है जो सिकंदराबाद की गलियों में गूंजती है।

वरिष्ठ भाकपा नेता डोड्डा नारायण राव का निधन

हैदराबाद, 12 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता डोड्डा नारायण राव का शुक्रवार रात हैदराबाद स्थित उनके आवास पर निधन हो गया है। वह 96 वर्ष थे।वरिष्ठ भाकपा नेता डॉ. के. नारायण ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए श्री राव को एक सिद्धांतवादी नेता बताया जो जीवन भर अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने याद किया कि वयोवृद्ध राव ने 1940 के दशक में निज़ाम शासन के विरुद्ध लड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभायी थी।उन्होंने कहा कि श्री राव ने भाकपा के नलगोंडा ज़िला सचिव और ज़िला किसान संघ के महासचिव के रूप में सेवा दी थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.